राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह

मध्यप्रदेश | राजस्थान | हरियाणा | छत्तीसगढ़ | महाराष्ट्र से प्रकाशित

डाक पंजीयन क्रं. 173/15-17 | 5 रियान पराग पर 12 लाख रुपए का जुर्माना | सम्पादकीय जल संरक्षण का संदेश, 1100 करोड़... | 22 बिलियन डॉलर से जीरो तक गिरी बायजूस 5

वर्ष 11 अंक 305 E-mail: dholpur@hotmail.com | फरीदाबाद, मंगलवार 01 अप्रैल 2025 | ई-पेपर के लिए लॉगऑन करें -www.hindustanexpress.online | मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

किचन तक पाइप से पानी पहुंचने की तर्ज पर अब गैस भी पहुंचेगी: पीएम मोदी

बिलासपुर में मोदी बोले-कांग्रेस सरकार में खूब घोटाले हुए

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में पीएम मोदी ने 33 हजार 700 करोड़ के 22 प्रोजेक्ट्स लॉन्च किए। इस दौरान मोदी ने कहा कि कांग्रेस की सरकार में भर्ती परीक्षाओं में खूब घोटाले हुए। भाजपा सरकार ने घोटालों को लेकर जांच बिठाई। छत्तीसगढ़ को हमने बनाया है, हम ही सवारेंगे।

मोदी ने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय बिजली व्यवस्था खस्ताहाल थी। लोगों को बिजली नहीं मिलती थी। हमारी सरकार बिजली प्लांट लगा रही है। आपके घरों में जीरो बैलेंस के लिए क्करूसोलर योजना शुरू की गई है। इसके जरिए आप बिजली बनाकर यूज के साथ बेच भी सकेंगे।वहीं पीएम ने कहा कि हमारी सरकार यहां गैस पाइप लाइनें बिछा रही है। घरों में खाना बनाने की गैस अब पाइप से आ पाएगी। जैसे पाइप से किचन में पानी आता है, वैसे ही अब गैस आएगा। हम अभी 2 लाख से ज्यादा घरों में सीधे पाइप से गैस पहुंचाने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। पीएम ने कहा कि गैस उपलब्ध होने से यहां छत्तीसगढ़ में नए उद्योग लगाना भी संभव हो पाएगा। यानी बड़ी संख्या में यहीं पर रोजगार बनेंगे। गैस पाइप लाइन आने से यहां सीएनजी से गाड़ियां

चल पाएंगी। इसका एक और फायदा होगा। मोदी ने कहा कि छत्तीसगढ़ में माता कौशल्या का मायका है। मेरा सौभाग्य है कि नवरात्र के पहले दिन मैं यहां पहुंचा हूं। छत्तीसगढ़ की राम भक्ति भी अद्भुत है। यहां रामनामियों ने पूरा शरीर भगवान राम को समर्पित किया है। मोदी ने भारत माता की जय, मां महामाया और जय जोहार से सभा की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि 33 हजार 700 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है। इसमें गरीबों का घर है, स्कूल है, रोड है, बिजली है, पाइप लाइन है। ये सारे प्रोजेक्ट छत्तीसगढ़ के नागरिकों को सुविधा देने वाले हैं। नौजवानों के लिए नए रोजगार बनाने वाले हैं।इसके पहले प्रधानमंत्री मोदी रविवार को नागपुर के ऋस्स् मुख्यालय केशव कुंज पहुंचे। वे सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक यहां रहे। उन्होंने संघ के संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार और दूसरे सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर (गुरुजी) के स्मारक स्मृति मंदिर पहुंचकर श्रद्धांजलि दी।सीएमने पीएम मोदी को वीरांगना बिलासा देवी केवट का मोमेंटो भेंट किया सीएम साय ने पीएम मोदी को छत्तीसगढ़ की वीरांगना बिलासा देवी केवट का मोमेंटो भेंट किया। बिलासा देवी का जीवन इस बात का प्रमाण है कि महिलाएं सीमाओं को पार कर इतिहास रच सकती हैं। यह मोमेंटो उन्हीं मूल्यों और प्रेरणाओं का दर्पण है। पीएम मोदी की सभा में छात्रा मोहिनी श्रीरामला मोदी की पेंटिंग लेकर पहुंची थी। मोदी की पेंटिंग लहराते हुए घंटेभर से खड़ी थी, तभी उनकी नजर छात्रा पर पड़ी। पेंटिंग को छात्रा से लेने के लिए मोदी ने अधिकारियों को निर्देश दिए। साथ ही छात्रा से चिट्ठी लिखने का वादा किया।

केन्द्र की शिक्षा नीति से व्यवसायीकरण और सांप्रदायिकता बढ़ेगी - सोनिया गांधी

केंद्र सरकार शिक्षा के प्रति उदासीन

आर.एन.एस

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की आलोचना की है। अंग्रेजी अखबार द हिंदू के एक आर्टिकल में सोनिया गांधी ने लिखा, 'केंद्र सरकार शिक्षा नीति के माध्यम से अपने 3 सी एजेंडे (केंद्रीकरण, व्यवसायीकरण और सांप्रदायिकता) को आगे बढ़ा रही है। शिक्षा नीति भारत के युवाओं और बच्चों की शिक्षा के प्रति सरकार की गहरी उदासीनता को दिखाती है। सोनिया ने अपने लेख में केंद्र पर संघीय शिक्षा ढांचे को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने लिखा- मोदी सरकार राज्य सरकारों को महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णयों से बाहर रखकर शिक्षा के संघीय ढांचे को कमजोर कर रही है। शिक्षा नीति में केंद्र सरकार ने सारी ताकत अपने हाथ में ले ली है और सिलेबस और संस्थानों में सांप्रदायिकता फैलाई जा रही है। सोनिया ने शिक्षा नीति के लिए निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में राज्य सरकारों को दरकिनार करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि केंद्रीय शिक्षा सलाहकार बोर्ड की बैठक सितंबर 2019 से नहीं हुई है, जिसमें केंद्र और राज्य दोनों के मंत्री शामिल हैं।

सरकारी स्कूलों की जगह प्राइवेट स्कूलों को बढ़ावा

सोनिया गांधी ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने समग्र शिक्षा अभियान के लिए ग्रांट रोककर राज्य सरकारों को पीएम-श्री (पीएम स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया) योजना को लागू करने के लिए मजबूर किया है। स्कूली शिक्षा के अनियंत्रित निजीकरण को बढ़ावा दिया। सोनिया ने कहा- एसएसए ग्रांट राज्यों को बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा के अधिकार अधिनियम को लागू करने के लिए दी जा रही है। शिक्षा पर संसदीय स्थायी समिति ने भी एसएसए निधियों को बिना शर्त जारी करने का मुद्दा उठाया था।

मानव शरीर माता-पिता के कारण है और हम उनका उपकार, उनका ऋण नहीं उतार सकते: स्वामी श्री अवधेशानंद जी

''शतचण्डी यज्ञ'' में उपस्थित रहकर स्वामी जी ने पाथेय प्रदान किया

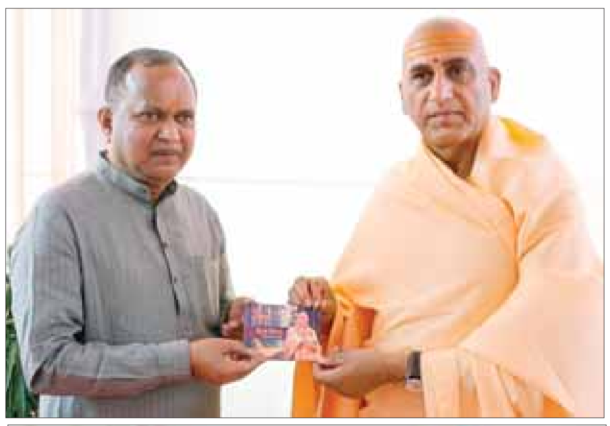

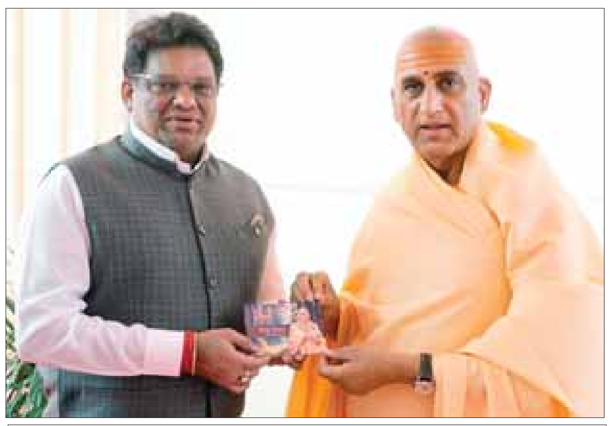

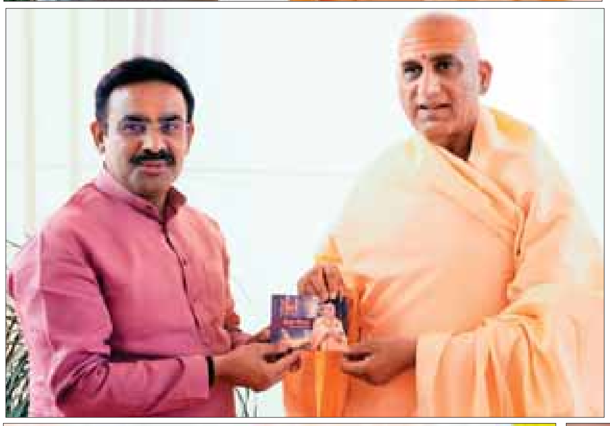

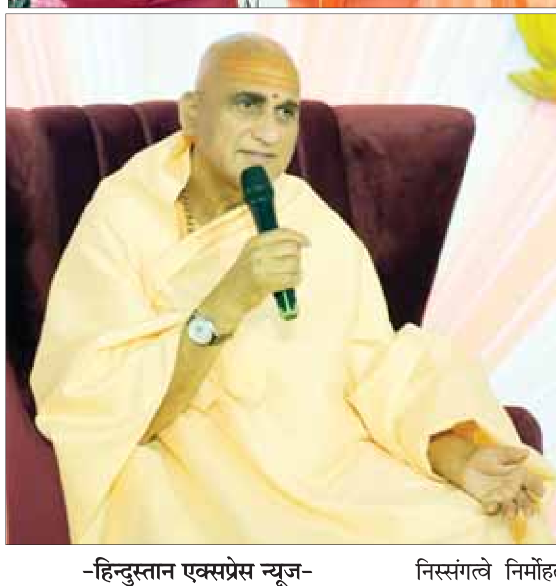

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

नागपुर। भारत की ऐतिहासिक नगरी नागपुर में चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर श्रीमत् परमहंस, परिव्राजकाचार्य, श्रोत्रिय, ब्रह्मनिष्ठ, जूनापीठाधीश्वर, आचार्य महामण्डलेश्वर, अनंत श्री विभूषित स्वामी अवधेशानंद गिरिजी महाराज के पावन सानिध्य में आयोजित ''शतचण्डी यज्ञ'' के आज द्वितीय दिवस के सायंकालीन सत्र में उपस्थित प्रभु प्रेमियों को स्वामी जी ने पाथेय प्रदान किया।

अपने उद्बोधन में स्वामी श्री अवधेशानंद जी ने कहा कि मानव जीवन अमूल्य है। मनुष्य देह को दुर्लभ बताया गया है और यह मानव शरीर किसी पुरुषार्थ से प्राप्त नहीं है, बल्कि यह प्रभु की कृपा और उनका अनुग्रह है। प्रथम दृष्टया यह दिखता है कि यह मानव शरीर माता-पिता के कारण है और हम उनका उपकार, उनका ऋण नहीं उतार सकते। लेकिन मनुष्य होना यह प्रभु की कृपा है, उनका अनुग्रह है। स्वामी जी ने कहा कि मानव जीवन अत्यन्त दुर्लभ है और इससे भी बड़ा दुर्लभ है मुमुक्षु होना ताकि हम अपने दुःखों से, अपने अज्ञानजन्य विकारों से मुक्त हो सकें। यह ईश्वरीय प्रेरणा है। इससे भी कहीं यदि कोई मूल्यवान है तो वह है - महापुरुषों की संगति, उनका सत्संग और उनकी निकटता। जब महापुरुषों की संगति होगी, जीवन में जब उनका सत्संग प्राप्त होगा, तब जीवन में अज्ञानता नहीं रह पायेंगे। कहा गया है - ''सत्संगत्वे निस्संगत्वं निस्संगत्वे निर्मोहत्वम् । निर्मोहत्वे निश्चलतत्त्वं, निश्चलतत्त्वे जीवन्मुक्तिः ।।''

इसलिए महापुरुषों के साथ, गुरुजनों के साथ जब आपके संवाद हो जाएँ तो जो सही नहीं है, वह आपसे पृथक हो जायेगा। जो विजातीय है अथवा जो दुःख के कारण है, वह सभी आपसे विलग होते जाएँगे और तब आपमें सत्य की प्यास जागेगी और आप सच को अनुभव करने लगेंगे। जैसे आकार में सत्य छिपा है, लेकिन उसके सत्य को उजागर कुम्हार करता है, वह अपनी कल्पनाओं से मिट्टी को आकार देकर घड़ा, सुराही आदि का निर्माण कर देता है, ठीक वैसे ही आकर में हमें यथार्थ बोध गुरु कराते हैं। तो क्या हम यह विचार कर सकते हैं कि मैं यह नहीं हूँ? मैं देह नहीं हूँ? तब हम क्या हैं? वेद कहते हैं - ''चिदानन्द रूपः शिवोऽहम् शिवोऽहम् ''

स्वामी श्री अवधेशानंद जी ने कहा कि - यह ध्यान रहे कि हम उस आनन्द स्वरूप परमात्मा के ही अंश हैं। भगवान श्रीकृष्ण गीता में अर्जुन से कहते हैं - ''ममैवांशो जीवलोके जीवभूतः सनातनः ..''। सत्य को जानना ही पुरुषार्थ है। इससे साथ ही जीवन से द्वंद और भय चले जायेंगे। मन केवल दुःख-सुख, जय-पराजय, मान-अपमान, लाभ-हानि तक ही जानता है, इससे अधिक वह कुछ नहीं जानता। यदि जिन्होंने अपने मन को नियंत्रित नहीं किया तो वह जल्दी ही दुःखी हो जाते हैं। हम अपने आंत्यिक दुःख के निवृत्ति के लिए जीवनपर्यन्त श्रम करते रहते हैं कि जीवन में दुःख न रहे। स्वामी जी ने कहा कि इसलिए जीवन में कोई संशय न रहे, भ्रम और द्वंद मिट जाए तो उन्हें सन्त-सत्पुरुषों, गुरुओं का सत्संग करना चाहिए। ज्ञान का प्रकाश सत्य का प्रकाश अथवा सच का बोध हो जाने हो जाए तो आप जीवन के यथार्थ को पा लेते हैं और अपने वास्तविक उद्देश्य को जान जाते हैं।

इस अवसर पर कलमेश्वर-सावनेर विधायक डॉ. आशीष देशमुख जी, महाराष्ट्र विधान परिषद के सदस्यगण कृपाल बालाजी तुमाने जी (पूर्व सांसद, रामटेक), डॉ. परिणय फुके जी, चेंबर ऑफ एसोसिएशन ऑफ महाराष्ट्र इंडस्ट्री एंड ट्रेड के अध्यक्ष दीपेन अग्रवाल जी, प्रभु प्रेमी संघ नागपुर के प्रमुख न्यासी विवेक ठाकुर जी, अनिल पवार जी एवं श्रीमती अरुणा पवार जी, तुषार पड़गिलवार जी, बलजीत जी, अनिरुद्ध जी, किशोर भाकरे जी सहित अनेक कार्यकर्ता, अधिकारीगण तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रभु प्रेमियों की उपस्थिति रही।

उप्र : मेरठ में नमाज के दौरान जमकर पत्थर चले, मुरादाबाद में हंगामा

आर.एन.एस

मेरठ। यूपी में सोमवार को कड़ी सुरक्षा में ईद की नमाज हुई। वाराणसी जामा मस्जिद में एक साथ बड़ी संख्या में नमाजी पहुंचे। सड़क पर पढ़ने की अनुमति न होने के चलते कुछ लोगों ने सीढ़ियों पर नमाज अदा की।

मेरठ में ईद की नमाज के बाद कुछ मुस्लिम युवक एक पोस्टर लेकर सड़क पर आ गए। इस पर लिखा था- सड़कों पर सिर्फ मुस्लिम ही नमाज नहीं पढ़ते। शिवरात्रि सड़कों पर मनती है। कांवड़ यात्रा सड़क पर निकलती है। रामनवमी यात्रा सड़क पर निकलती है। दिवाली पर पटाखे सड़क पर फोड़े जाते हैं। गणेश चतुर्थी सड़कों पर मनाई जाती है। मुरादाबाद में नमाज छूटने पर कुछ युवकों ने हंगामा कर दिया। उनका

कहना था कि सुरक्षा के नाम पर उनको जगह-जगह चेक किया। ऐसे में वह समय से ईदगाह नहीं पहुंच पाए। इसके बाद ईदगाह में दोबारा नमाज पढ़वाई गई।

संभल में 10 कंपनी फोर्स तैनात की गई। मस्जिदों के आसपास 1300 सीसीटीवी लगाए गए। जामा मस्जिद के आसपास का इलाका छावनी बना रहा। ड्रोन से निगरानी की गई। वहीं, मेरठ के सिवालखास कस्बे में मुस्लिम समुदाय के दो गुटों में बवाल हो गया। इस दौरान जमकर पत्थर चले, फायरिंग हुई। इसमें कई लोग घायल हो गए।

तीसरे कार्यकाल के लिए मैं संविधान बदलने के बारे में सोच रहा हूं- डोनाल्ड ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी को शपथ ग्रहण करने के बाद से एक के बाद एक चौंकाने वाले फैसले ले रहे हैं। इसके बाद अब उन्होंने देश की पॉलिटिक्स में एक बड़े बदलाव का संकेत दिया है। यह वॉशिंगटन की राजनीति में हलचल मचाने वाला है। ट्रंप ने रविवार को कहा कि मैं अपने तीसरे कार्यकाल के लिए संविधान को बदलने के बारे में सोच रहा हूं।

एक इंटरव्यू में अमेरिकी राष्ट्रपति से जब उनके तीसरे कार्यकाल के पिछले इशारों के बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने जवाब देते हुए कहा कि वह मजाक नहीं कर रहे थे। इसके लिए कुछ तरीके भी हैं, जिससे यह किया जा सकता है। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, 'बहुत से लोग चाहते हैं कि मैं ऐसा करूं लेकिन मेरा मतलब है, मैं मूल रूप से उनसे कहता हूं कि हमें अभी लंबा रास्ता तय करना है।

दंतेवाड़ा-बीजापुर बॉर्डर पर 25 लाख की इनामी नक्सली ढेर

आर.एन.एस

दंतेवाड़ा। दंतेवाड़ा और बीजापुर बॉर्डर पर सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में 25 लाख की इनामी महिला नक्सली लीडर रेणुका उर्फ बानू को ढेर कर दिया। रेणुका डीकेएसजैडसी दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी मेंबर थी। शव के साथ एक इंसास राइफल, गोला बारूद बरामद किया गया।

सोमवार सुबह नक्सल विरोधी अभियान के तहत सुरक्षाबलों की टीम निकली थी। करीब 9 बजे जवानों का सामना नक्सलियों से हो गया। दोनों ओर से काफी देर तक फायरिंग हुई। इससे पहले 25 मार्च को सुरक्षाबलों ने 25 लाख रुपए के इनामी नक्सली सुधीर उर्फ धाकर समेत 3 नक्सलियों को मार गिराया था। बस्तर रेंज में जवानों ने इस साल अब तक मारे गए 119 नक्सलियों के शव बरामद किए हैं। सुकमा और दंतेवाड़ा जिले की सरहद पर शनिवार सुबह पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई थी। छ्त्रन्न (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) और सीआपीएफ के 500-600 जवानों ने 17 नक्सलियों को मार गिराया था। इनमें 11 महिला नक्सली हैं। मुठभेड़ केरलापाल थाना क्षेत्र के उपमपल्ली में हुई थी।

न्यूक्लियर डील : ईरान समझौता करें, वरना बमबारी होगी - ट्रम्प

आर.एन.एस

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को धमकी दी है कि अगर वह अपने न्यूक्लियर प्रोग्राम पर किसी समझौते पर नहीं पहुंचता तो अमेरिका उस पर बमबारी कर सकता है। ट्रम्प ने ईरान पर सेकेंडरी टैरिफ लगाने की भी धमकी दी। ट्रम्प ने एक इंटरव्यू में कहा कि अगर वे कोई डील नहीं करते हैं तो बमबारी होगी। यह ऐसी बमबारी होगी, जैसी उन्होंने पहले कभी नहीं देखी होगी। ट्रम्प ने आगे कहा- उनके (ईरान) पास एक मौका है, अगर वे ऐसा नहीं करते तो मैं उनपर 4 साल पहले की तरह सेकेंडरी टैरिफ लगाऊंगा। न्यूक्लियर प्रोग्राम पर अमेरिकी और ईरानी अधिकारी बातचीत कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने इस बारे में विस्तार से नहीं बताया।

मणिपुर में संघर्ष अवैध अप्रवास और नशीली दवाओं के खतरे का नतीजा - बीरेन सिंह

आर.एन.एस

इम्फाल। मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने सोमवार को दावा किया कि राज्य में संघर्ष नशीली दवाओं, अवैध अप्रवास और जंगलों के विनाश सहित कई चुनौतियों का नतीजा है।

एक्स पर एक पोस्ट में, सिंह ने मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा पर भी कटाक्ष किया और उनसे पूछा कि क्या उन्हें राज्य में अवैध गांवों की संख्या में खतरनाक वृद्धि के बारे में पता है। मई 2023 से मैतेई और कुकी-ज़ो समूहों के बीच जातीय हिंसा में मणिपुर में 250 से अधिक लोग मारे गए हैं और हज़ारों लोग बेघर हो गए हैं। संघर्षग्रस्त मणिपुर में नेतृत्व परिवर्तन की मांग को लेकर राज्य भाजपा के भीतर मची सुगबुगाहट के बीच, एन बीरेन सिंह ने 9 फरवरी को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के कुछ घंटे बाद ही पद छोड़ दिया।

केंद्र ने 13 फरवरी को एन बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद राज्य में राष्ट्रपति शासन लगा दिया था सिंह ने कहा, ÷वर्तमान संकट मूलतः राजनीतिक नहीं है, बल्कि यह

चुनौतियों के जटिल मिश्रण से उपजा है, जिसमें नशीली दवाओं का खतरा, अवैध आव्रजन, वनों का विनाश और चुनिंदा समूहों द्वारा व्यवस्थित रूप से सत्ता हासिल करने की कोशिश शामिल है। उन्होंने दावा किया कि दिवंगत पी ए संगमा ने एक बार पूर्वोत्तर को जातीय आधार पर छोटे-छोटे राज्यों में विभाजित करने की वकालत की थी, जो एक खतरनाक विचार था, जिससे हमारे राष्ट्र की एकता को खतरा था। उन्होंने कहा, आज हम मणिपुर को अस्थिर करने के लिए उसके आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने के ऐसे ही प्रयास देख रहे हैं।

जम्मू : दुनिया के सबसे ऊंचे रेल ब्रिज का उद्घाटन 19 को

उधमपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 19 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के दौरे पर जाएंगे। सबसे पहले वे उधमपुर में दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे ब्रिज (चिनाब ब्रिज) का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद वे कटरा (माता वैष्णो देवी) पहुंचकर जम्मू-श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बताया कि फिलहाल जम्मू रेलवे स्टेशन पर मरम्मत का काम चल रहा है, इस वजह से ट्रेन सेवा अस्थायी रूप से कटरा से शुरू की जा रही है। मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद अगस्त से यह ट्रेन जम्मू से चलना शुरू करेगी।

कटरा- श्रीनगर पर ट्रेन का ट्रायल 25 जनवरी को किया गया था, जो सफल रहा। ट्रेन सुबह 8 बजे कटरा से रवाना हुई और 11 बजे कश्मीर के अंतिम स्टेशन श्रीनगर पहुंची।

नई पीढ़ी के लिए अनुकरणीय है लोकतंत्र सेनानियों का संघर्ष: विस अध्यक्ष नरेंद्र सिंह

लोकतंत्र सेनानियों का श्याम वाटिका में सेमिनार

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा है कि लोकतंत्र सेनानियों के संघर्ष की वजह से न सिर्फ उस समय दिल्ली सरकार की चूलें हिल गई थीं, साथ ही आपातकाल भी समाप्त हो गया था. राजनीतिक परिस्थियां बदलीं। संघर्ष का परिणाम है कि अब देश में आपातकाल दोबारा नहीं लग सकता है। लोकतंत्र को बचाने के लिए 19 महीने तक जेल में रहे लोकतंत्र सेनानियों का संघर्ष प्रेरणादायी और अनुकरणीय है। वे सोमवार को श्याम वाटिका बिरलानगर में लोकतंत्र सेनानियों के सेमीनार को बतौर मुख्यअतिथि संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्हें संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष कैलाश सोनी ने देश के आपातकाल योद्धाओं की ओरसे मुकुट पहनाकर सम्मानित किया । कार्यक्रम की अध्यक्षता ऊर्जा मंत्री प्रदुम्न सिंह तोमर ने की।

विधानसभा अध्यक्ष तोमर ने सेमीनार को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदू नववर्ष के दूसरे ही दिन लोकतंत्र सेनानियों ने कार्यक्रम आयोजित कर विचार मंथन किया है, जिससे हम उम्मीद करते हैं कि ये वर्ष लोकतंत्र के लिए अच्छा गुजरेगा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र सेनानियों को सम्मान दिलाने मे यदि मेरा तनिक भी सहयोग है तो इसकी वजह यह है कि मैं सार्वजनिक जीवन का कार्यकर्ता हूं।

उन्होंने लोकतंत्र सेनानियों का संगठन खड़ा करने के लिए अध्यक्ष कैलाश सोनी एवं सचिव मदन बाथम की सराहना करते हुए कहा कि संगठन बनाना दुनिया का सबसे कठिन काम हैं। उन्होंने बताया कि मदन बाथम शासकीय सेवा में रहते हुए भी सदा समाजिक सरोकारों से जुड़े रहे हैं।

स्वतंत्रता सेनानियों की भांति सम्मान: सोनी

राष्ट्रीय अध्यक्ष कैलाश सोनी ने कहा कि 2006 में जब नरेंद्र सिंह तोमर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बने तो, उन्होंने ही लोकतंत्र सेनानियों को सम्मान दिलाने की शुरूआत कराई। उनकी इच्छाशक्ति और सहयोग की वजह से पूरे देश में लोकतंत्र सेनानियों को संगठन स्तर पर सम्मान देने का निर्णय लिया गया। वे लोकतंत्र सेनानियों की मदद के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस एवं 26 जनवरी गणतंत्र दिवस को स्वतंत्रता सेनानियों की भांति आज लोकतंत्र सेनानियों को भी सम्मान दिया जाता है।

लोकतंत्र सेनानियों को नमन: प्रद्युम्न

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि लोकतंत्र सेनानी यदि संघर्ष न करते तो शायद आज लोकतंत्र न होता और न मैं मंत्री बनता, इसलिए मैं सभी लोकतंत्र सेनानियों के संघर्ष को हाथ जोड़कर नमन करता हूं। उनके कार्यक्रम में शिरकत कर खुद को सौभाग्यशाली मानता हूं। लोकतंत्र सेनानी नई पीढ़ी के लिए संघर्ष की प्रेरणा हैं। मैं उस संघर्ष का साक्षी तो नहीं बना, लेकिन अनुयायी बनने की कोशिश जरूर करूंगा।

विरोधियों को मुंहतोड़ जबाव दें: शेजवलकर

कांग्रेसी आज लोकतंत्र खतरे में बता रहे हैं,ऐसे में लोकतंत्र सेनानियों को उन्हें मुंह तोड़ जबाव देना होगा कि लोकतंत्र को आज नहीं, तब खतरा था जब आपातकाल लगाया गया था और 19 महीने जेल में रहकर उसे हमने समाप्त कराया। पूर्व सांसद

शेजवलकर ने परोसा भोजन

पूर्व सांसद एवं पूर्व महापौर विवेक नारायण शेजवलकर न सिर्फ पूरे समय कार्यक्रम में मौजूद रहे, बल्कि खुद अपने हाथों से लोकतंत्र सेनानियों को पहले पत्तल दोनें और फिर भोजन परोसा। उन्हें देखकर भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष कमल माखीजानी भी उनका साथ देने में जुट गए। परोसते समय लोकतंत्र सेनानियों ने उनसे कहा भी आप क्यों परोस रहे हैं तो वे बोले मुझे ऐसा करने में खुशी मिल रही है। कार्यक्रम को वरिष्ठ साहित्यकार जगदीश तोमर, रमेश सिंह सिकरवार ने भी संबोधित किया। संचालन संघ के सचिव मदन बाथम ने व आभार प्रदर्शन मोहन विटवेकर ने किया। इस मौके पर पूर्व विधायक बाबूलाल मेवरा, जिलाध्यक्ष गुलशन गोगिया, राजेंद्र आर्य समेत एक सैकड़ा से अधिक लोकतंत्र सेनानी परिजन सहित मौजूद रहे।

भाजपा के नवनिर्वाचित महानगर जिलाध्यक्ष शीतल बिश्नोई का भाजपा नेता राजकुमार राजू ने किया स्वागत

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

सहारनपुर। गत दिवस जनमंच सभागार में नवनिर्वाचित भारतीय जनता पार्टी महानगर के जिला अध्यक्ष शीतल बिश्नोई गोयल का भाजपा के वरिष्ठ नेता राजकुमार राजू ने माल्यार्पण कर और पटका पहनाकर अभिनंदन व स्वागत किया। इस अवसर पर सहारनपुर के प्रभारी वाईपी सिंह सहित जिले के दोनों मंत्री कुंवर बृजेश सिंह, जसवंत सैनी, विधायक राजीव गुंबर, मुकेश चौधरी, कीरत सिंह, मेयर डॉ. अजय सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता राजकुमार राजू सहित पूर्व विधायकगणों, पूर्व अध्यक्षगणों, पार्टी के वरिष्ठ नेतागणों, सम्मानित मंडल अध्यक्षगण, कार्यकर्ताओं ने भारी संख्या में भाग लिया। सभी ने खुले मन से नवनिर्वाचित अध्यक्ष को बधाई दी और सभा को संबोधित किया।

शिवपुरी में प्रथम बार तीन जैनाचार्यों सहित 74 साधु-साध्वियों का मंगल प्रवेश 2 अप्रैल को

नगर में साधु भगवंतों के अभिभूतपूर्व स्वागत की तैयारी, प्रमुख मार्गों से निकलेगी भव्य शोभायात्रा, समाधि मंदिर पर होंगे प्रवचन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

शिवपुरी। धर्म नगरी शिवपुरी में इतिहास में प्रथम बार एक साथ तीन जैनाचार्यों सहित 74 साधु-साध्वी पद विहार करते हुए शिवपुरी आ रहे हैं। शिवपुरी में 2 अप्रैल को उनके मंगल प्रवेश के समय जैन समाज ने भव्य स्वागत की तैयारियां शुरू कर दी हैं। शहर को सजाया जा रहा है और साधु-साध्वियों के शोभायात्रा के मार्ग में स्वागत द्वार, बैनर और पोस्टर लगाए जा रहे हैं। शिवपुरी नगर में सभी 74 साधु-साध्वियों का मंगल प्रवेश विष्णु मंदिर के सामने स्थित श्वेताम्बर जैन समाज के अध्यक्ष तेजमल सांखला की कोठी से होगा, जहां से माधवचौक, सदर बाजार, पार्श्वनाथ जैन मंदिर, कस्टम गेट होते हुए विजयधर्म सूरीश्वर जी समाधि मंदिर पर शोभायात्रा का समापन आचार्य भगवंत श्री विजय जयकुंजर सूरीश्वर जी, आचार्य भगवंत श्री विजयराम चंद सूरीश्वर जी और आचार्य देव श्री विजय मुक्तिप्रभ सूरीश्वर जी महाराज के प्रवचन से होगा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 74 जैन साधु-साध्वियों का काफिला झारखंड में स्थित प्रसिद्ध जैन तीर्थ शिखरजी से पद विहार करता हुआ आ रहा है। सभी साधु-साध्वी प्रतिदिन 20 किलोमीटर की यात्रा कर रतलाम पहुंचने की भावना रखते हैं। जहां 4 श्रावकों की दीक्षा का समारोह आयोजित है। इसके बाद सभी 74 जैन साधु-साध्वियों का आगामी चातुर्मास संखेश्वर पार्श्वनाथ गुजरात में है। साधु-भगवंतों की टोली आज सुभाषपुरा में है और कल 1 अप्रैल को सतनवाड़ा पहुंचेगी, जहां से 2 अप्रैल को सुबह 5:30 बजे पद विहार करते हुए साधु-साध्वी विष्णु मंदिर स्थित तेजमल सांखला निवास स्थान पर पहुंचेंगे जहां उनकी भव्य अगवानी और स्वागत किया जाएगा। सांखला कोठी पर समस्त जैन समाज सहित धर्मप्रेमी इस अवसर पर सुबह 8 बजे उपस्थित होंगे। जहां से साधु-भगवंतों की भव्य शोभायात्रा प्रारंभ होकर समाधि मंदिर पहुंचेगी। यहां साधु-साध्वी दो दिन विश्राम कर 4 अप्रैल को गंतव्य की ओर प्रस्थान करेंगे।

अपना दल (एस) म.प्र. इकाई में मुख्य भूमिका में नजर आए राजनीतिक रणनीतिकार डॉ. अतुल मलिकराम, पेश किया आगामी रोडमैप

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

भोपाल। हाल ही में अपना दल (एस) की मध्य प्रदेश इकाई द्वारा प्रदेश की औद्योगिक नगरी इंदौर में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें प्रदेशभर के जिलाध्यक्षों और प्रदेश पदाधिकारियों ने भाग लिया। यह बैठक केंद्रीय समिति के निर्देशानुसार राष्ट्रीय महासचिव युवा मंच, डॉ. अखिलेश पटेल के मार्गदर्शन और राजनीतिक रणनीतिकार डॉ. अतुल मलिकराम के नेतृत्व में संपन्न हुई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य प्रदेश में पार्टी संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए सशक्त नेतृत्व पर विचार विमर्श करना था। बैठक के दौरान प्रदेश संगठन को मजबूत करने और पार्टी के विस्तार की रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर डॉ. अतुल मलिकराम ने अपने

विचार साझा करते हुए संगठन को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल के नेतृत्व में, हम प्रदेशभर में पार्टी संगठन को सशक्त करेंगे और वार्ड स्तर पर अपने प्रतिनिधियों को नियुक्त करेंगे, ताकि प्रदेश के अंतिम व्यक्ति तक पार्टी की विचारधारा को पहुँचाया जा सके।

डॉ. मलिकराम ने कहा कि संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए सभी कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर युद्ध स्तर पर कार्य करना होगा। नए सदस्यों को जोड़ने के लिए ऑफलाइन व ऑनलाइन सदस्यता अभियान चलाए जाएंगे तथा पार्टी व ओबीसी के प्रमुख मुद्दों को सरकार के समक्ष दृढ़ता के साथ उठाया जाएगा।

इस दौरान डॉ. मलिकराम ने पार्टी की आगामी योजनाओं पर अपना प्रेजेंटेशन भी प्रस्तुत किया, वहीं उपस्थित पदाधिकारियों ने प्रदेशभर में पार्टी की उपस्थिति को और अधिक प्रभावी बनाने का संकल्प भी लिया।बैठक में प्रदेश इकाई के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे, जिन्होंने अपने बहुमूल्य सुझाव और विचार साझा किए। पार्टी के इस आयोजन ने संगठन को एक नई दिशा देने का कार्य किया और निश्चित रूप से आने वाले समय में संगठनात्मक गतिविधियों को गति मिलते दिखेगी।

परिवर्तन योगेश संस्थान एवं काशी हिन्दी विद्यापीठ, वाराणसी द्वारा दिल्ली में मनाया गया हिन्दू नववर्ष स्वागत सम्मान उत्सव

नईदिल्ली। राष्ट्र, संस्कृति व समाज हित समर्पित ''परिवर्तन योगेश संस्थान'' एवं काशी हिन्दी विद्यापीठ, वाराणसी द्वारा राजधानी दिल्ली में हिन्दू नववर्ष स्वागत सम्मान उत्सव मनाया गया। संस्थान संरक्षित महर्षि भारद्वाज सनातन अखाड़ा के आचार्य प्रमुख अमरनाथ गुरू जी द्वारा मंत्रोचारण सहित दीप प्रज्वलन हुआ। विशिष्ठ अतिथियों में संस्थान सह संगठन ''काशी हिन्दी विद्यापीठ'' के कुलाधिपति सुखमंगल सिंह 'मंगल', कुलपति डॉ. संभाजी राजाराम बाविस्कर एवं महासचिव योगेश तरेहन थे। मुख्य अतिथियों में डॉ. कृष्णानंद महाराज जी, प्रमुख महामंडलेश्वर, संस्थापक एवं पीठाधीश्वर-महर्षि भारद्वाज सनातन अखाड़ा, डॉ. ममता नौगरैया-वरिष्ठ लेखिका, उत्तर प्रदेश एवं आत्मानंद महाराज जी - तारण पंथ जिन धर्म श्री संघ गौरव दशम प्रतिमाधारी बाल ब्रह्मचारी अंतर्राष्ट्रीय संत उपस्थित थे। उत्तर प्रदेश पत्रकार परिषद के चंदौली जिलाध्यक्ष एवं पत्रकार संजय शर्मा द्वारा मंच संचालन किया गया। बिहार से संस्थान की राष्ट्रीय वक्ता श्रीमती विभा झा द्वारा हिन्दू नववर्ष क्यों मनाया जाता है, इस विषय पर सम्बोधन था।

इस शुभ सांस्कृतिक उत्सव में सम्मान प्राप्तकर्ताओं के नाम इस प्रकार से हैं: विद्या सागर मानद सम्मान - 1. डॉ. हरिश्चंद्र मिश्र 2. डॉ. अतुल अग्रवाल 3. डॉ. ममता नौगरैया 4. डॉ. बादल कुमार झा 5. डॉ. विभा झा 6. डॉ. राजकिरण चौधरी 7. डॉ. रणवीर ठोलिया 8. डॉ. कृष्णा भारद्वाज। विद्या वाचस्पति मानद सम्मान - 1. बा. ब्र. डॉ. आत्मानंद महाराज 2. डॉ. संजय प्रल्हाद काळे 3. डॉ यशवंत भंडारी 4. डॉ. पुरुषोत्तम यादव 5. डॉ. पंडित संदीप कमलाकर देव 6. डॉ. नितनेम सिंह सोढी 7. डॉ. राकेश कुमार 8. डॉ. यशवंत राज 9. डॉ. नेत्रमणि बड़ोनी 10. डॉ. कैलाश चन्द्र चतुर्वेदी 11. डॉ चन्द्र पाल देहडू 12. डॉ सुखमिला अग्रवाल 13. डॉ. दीपेन्द्र सिंह चैतन्य सिंह सिसोदिया 14. डॉ. आचार्य धनंजय पाठक 15. आचार्य डॉ. शिव प्रताप दूबे 16. डॉ. प्रवीण कुमार प्रणव 17. डॉ. रामप्रसाद खनाल 18. डॉ. विकास कुमार गर्ग 19. डॉ. राजू मेहरा जताई 20. डॉ. बिहारी लाल 21. डॉ. विनोद कुमार 22. डॉ गिरीश कुमार पालीवाल 23. डॉ. रविन्द्र कुमार त्यागी 24. डॉ कुसुम गर्ग 25. डॉ दीपक कुमार काबरा। शिक्षाविद शिरोमणि - 1. डॉ. आशीष अनेजा। उपरोक्त काशी हिन्दी विद्यापीठ के मानद सम्मानों के अतिरिक्त परिवर्तन योगेश संस्थान द्वारा जो सम्मान प्रदान किये गए वह इस प्रकार से हैं: 1. राष्ट्र गौरव श्री सम्मान - बा.ब्र. डॉ. आत्मानंद महाराज 2. राष्ट्रीय नोबल सम्मान - बा.ब्र. डॉ आत्मानंद महाराज 3. मणिकर्णिका - डॉ सुखमिला अग्रवाल 4. विश्व अनमोल रत्न - डॉ. अनिल कुमार शर्मा (अनमोल) एवं श्री श्री 1008 निरंकारनंद जी महाराज महामंडलेश्वर (प्रो डॉ. एन एन तिवारी) 5. गौ संवर्धन एवं संरक्षण संकल्प सम्मान - अंकुर वत्स त्यागी, अंकित सिंह, प्रभात कुमार एवं भारती सैनी। परिवर्तन योगेश संस्थान द्वारा इस बार प्रतिष्ठित ''सेवा ध्येय संगठन राष्ट्रीय सम्मान'' उत्तर प्रदेश पत्रकार परिषद को दिया गया, जिसे परिषद के चंदौली जिलाध्यक्ष एवं पत्रकार संजय शर्मा जी ने ग्रहण किया। इस अवसर पर 10 राज्यों में काशी हिन्दी विद्यापीठ भवनों को खोलने की भी घोषणा की गई एवं परिवर्तन योगेश के महर्षि भारद्वाज कृषा गुरुकुलम को काशी हिन्दी विद्यापीठ द्वारा सह संगठन स्वीकृति पत्र प्राप्त हुआ। दिल्ली में हुए इस कार्यक्रम में परिवर्तन योगेश दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष राकेश कुमार जी का योगदान सराहनीय रहा।

|| श्री गणेशाय नमः ||
|| भगवान श्री सहस्त्रार्जुनाय नमः ||

कलचुरि कलार महासभा, ग्वालियर
कलचुरि महिला मण्डल, ग्वालियर

सामूहिक विवाह सम्मेलन

समस्त समाज बन्धुओं को बड़े हर्ष के साथ सूचित किया जाता है कि कलचुरि कलार महासभा, ग्वालियर ने सामुहिक विवाह सम्मेलन करने का निर्णय लिया है। जिसमें 51 जोड़ों का विवाह किया जाना तय है। समस्त समाज बन्धुओं से निवेदन है जो अपने पुत्र एवं पुत्री का विवाह सम्मेलन से करना चाहते हैं वह अपने-अपने फार्म समिति के पास जमा करने का कष्ट करें।

मुख्य संरक्षक:
सेठ नरेश गुप्ता जी
सेठ लक्ष्मी नारायण जी शिवहरे
सेठ रामस्वरूप जी शिवहरे (लल्ला)

कार्यक्रम:
दिनांक : 30 अप्रैल 2025, बुधवार
समय : प्रात: 10:00 बजे से
स्थान : फूलबाग मैदान, ग्वालियर

संरक्षक: सर्वश्री प्रेम नारायण गुप्ता (एडवोकेट), आर.एन.गुप्ता, अशोक शिवहरे (IAS), दिनेश जायसवाल, जयपाल सिंह महाजन, श्री जमुना प्रसाद महाजन, मदन पवैया, निरंजन सिंह राय,आनन्द प्रकाश गुप्ता, केदारनाथ गुप्ता, होतम शिवहरे, पूरन शिवहरे, भगवान दास गुप्ता, शिवदयाल पवैया यादराम शिवहरे, रामजीलाल शिवहरे (तानसेन नगर), रमेश चंद्र शिवहरे , बाबूलाल राय, शिवरंजन गुप्ता, ओम नारायण शिवहरे, हरिशंकर शिवहरे, कमल जायसवाल, राजेन्द्र प्रसाद जायसवाल, हरीबाबू शिवहरे, जगदीश शिवहरे (जौरा), जगदीश शिवहरे (परेड), भगवती प्रसाद जायसवाल, हरिनाराण जायसवाल, चन्द्रप्रकाश शिवहरे, मूलचंद्र शिवहरे, रमेशचंद्र शिवहरे (चना कठोर), बच्चनवाल शिवहरे, किशोरलाल राय, देवीचरण राय, लोकमन सिंह राय, सीताराम राय एवं समस्त वरिष्ठ समाज बन्धुगण

अध्यक्ष: सुरेश चन्द्र शिवहरे मोबा: 9826296595
कार्यकारी अध्यक्ष: वेद प्रकाश शिवहरे मोबा: 9425115799
कार्यकारी अध्यक्ष: देवेन्द्र पवैया मोबा: 9826272626
महासचिव: रघुवीर राय मोबा: 9826187408

फार्म जमा करने की अंतिम तिथि 15 अप्रैल 2025
फॉर्म प्राप्त एवं जमा करने का स्थान

श्री रघुवीर राय
पी.एच.ई. कॉलोनी, मोतीझील, ग्वालियर
मोबाइल 98261-87408

श्री रामस्वरूप जायसवाल
एस.एन.बेलवेट हाउस
मोची ओली, दयानंद मार्ग, लश्कर, ग्वालियर
मोबाइल 96917-57863

होटल महिमा
रेलवे स्टेशन प्लेट फार्म नंबर 4 के पास
ग्वालियर मोबाइल 98263-47357

सिटी पैलेस होटल
संजय कॉम्पलेकस जयेन्द्रगंज, लश्कर, ग्वालियर
मोबाइल 98262-72626

निवेदक:- दैनिक हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह

20 दिनों के सफर में 18 डिग्री का आया अंतर

- सात दिन दोनों तापमान सामान्य से कम, 10 दिन और 16 रातें रही मायनस में

ग्वालियर। माह मार्च महीना तापमान को लेकर बड़ा उतार चढ़ाव का रहा। 4 दिन पहले दिन का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच गया था। जबकि पांच मार्च को अधिक तापमान 27.9 डिग्री सेल्सियस आंका गया था। यानि कि केवल 21 दिनों में अधिकतम तापमान ने 12 अंक ऊपर छलांग मारी। इसी तरह न्यूनतम तापमान पर नजर डाले तो 28 मार्च को 24.1 डिग्री सेल्सियस आंका गया तो वहीं मार्च के आखिरी दिन सोमवार को 9 अंक घटकर केवल 14.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। हालांकि यह इस महीने की सबसे ठंडी रात नहीं है। इससे पहले 6 मार्च को न्यूनतम तापमान 11.6 डिग्री सेल्सियस आंका जा चुका है।

मार्च के महीने में कुल सात दिन दोनों तापमान सामान्य से कम आंके गये। जबकि 10 दिन मायनस में और 16 रातें भी मायनस में रही। इन दिनों तापमान सामान्य से कम आंका गया। यानि कि इस महीने रात व दिन के तापमान में केवल 4 अंक का अंतर रह गया। मात्र 23 दिनों के सफर में स्थानीय मौसम कार्यालय के अनुसार इस महीने 5 मार्च इस महीने का सबसे अधिक ठंडा दिन रहा था। तब दिन का तापमान 27.8 डिग्री सेल्सियस आंका गया था। जबकि इस महीने का सर्वाधिक अधिकतम तापमान 26 मार्च को आंका गया था, क्योंकि दिन का तापमान 39.9 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया था। यह सब पश्चिमी विक्षोभ के कारण हुआ। इसी तरह मार्च की सर्वाधिक ठंडी रात 6 मार्च रही थी। तब रात का पारा केवल 11.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ था। उसके बाद सर्वाधिक गर्म रात 28 मार्च रही। तब रात का पारा 24.1 डिग्री सेल्सियस आंका गया। इस तरह इस महीने का सफर बड़ा उतार चढ़ाव का रहा। खास बात यह भी रही कि विगत माह फरवरी की अपेक्षा मार्च के सर्वाधिक 10 दिन और 16 रातों में दर्ज तापमान सामान्य से कम दर्ज हुआ है।

आज व कल छाए रहेंगे बादल

मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के चलते अप्रैल महीने की शुरूआत बादलों के बीच होगी। आज मंगलवार और बुधवार को आसमान पर बादल छाए रहेंगे। इसके चलते तापमान भी सामान्य ही बना रहेगा। जबकि अप्रैल माह के प्रथम सप्ताह के बाद ही दिन का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंचेगा, तो वहीं न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंचेगा। भोपाल मौसम वैज्ञानिक डा. प्रदीप कुमार गुप्ता ने बताया कि मध्यप्रदेश के उपर पश्चिमी विक्षोभ के चलते सिस्टम बना हुआ है। इसकी वजह से तेज हवाओं के चलने की स्थिति भी बनेगी वहीं दोनों तापमान सामान्य से नीचे बने रहेंगे।

दो दिन में 9 अंक लुढ़का रात का पारा

सोमवार को न्यूनतम तापमान 14.8 डिग्री सेल्सियस आंका गया। जबकि यह सामान्य से 4 डिग्री सेल्सियस आंका गया। दो दिन पूर्व शुक्रवार को रात का पारा 24.1 डिग्री सेल्सियस आंका गया था। इस तरह दो दिन में रात का पारा 9 अंक नीचे लुढ़क गया। इसी तरह बीते दिन रविवार को अधिकतम तापमान 35.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ तो वहीं सोमवार को 0.9 अंक बढ़कर 36.2 डिग्री सेल्सियस आंका गया।

बढ़ते हुए तापमान के चलते स्कूलों का समय बदला

ग्रीष्म ऋतु के दौरान बढ़ते हुए तापमान को ध्यान में रखकर जिले में बच्चों के हित में स्कूलों के संचालन के समय में बदलाव किया गया है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर जिला शिक्षा अधिकारी अजय कटियार ने इस आशय का आदेश जारी कर दिया है। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा जारी किए गए आदेश के अनुसार जिले में अब प्ले ग्रुप से दूसरी कक्षा तक के लिये प्रातः 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक का समय निर्धारित किया गया है। इसी तरह तीसरी से बारहवीं तक की कक्षाएँ प्रातः 8 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक संचालित होंगीं। परीक्षायें यथावत संचालित रहेंगीं। यह आदेश एक अप्रैल से प्रभावशील होगा और जिले की सभी शासकीय-अशासकीय और अनुदान प्राप्त शालाओं पर लागू होगा।

तरण पुष्कर में आज से शुरू होगी तैराकी, पूर्व सांसद ने लगाई पहली छलांग

ग्वालियर। गर्मी के मौसम में शहरवासियों के लिए राहत देने के नगर निगम द्वारा संचालित तरण पुष्कर आज 1 अप्रैल से आमजन के लिए खोला जाएगा। तरण पुष्कर में पूर्व सांसद विवेक नारायण शेजवलकर ने पहली छलांग लगाकर तैराकी का शुभारंभ किया।

नोडल अधिकारी एवं उपायुक्त सत्यपाल सिंह चौहान ने बताया कि तरण पुष्कर स्विमिंग पूल पर आज संगीतमय सुंदरकाड का पाठ कर विधि विधान से पूजा अर्चना की। इस मौके पर सभापति मनोज तोमर, वरिष्ठ भाजपा नेता रामेश्वर भदौरिया, धर्मेन्द्र राणा, निगमायुक्त संघ प्रिय, उपायुक्त सतपाल चौहान, सहायक खेल अधिकारी जीतेंद्र यादव, अयोध्याशरण शर्मा, सुश्री विजेता चौहान एवं तरण पुष्कर स्टाफ मौजूद था। तैराकी के बैच सुबह 6 से 10 एवं शाम 5 से 8 तक रहेंगे, प्रत्येक बैच 45 मिनट का रहेगा। मुख्य कोच अयोध्याशरण शर्मा ने तैराकी में आने वाले सभी सदस्यों से अपनी अपनी स्विमिंग कोस्टूम साथ लाने का अनुरोध किया है कि बगैर कोस्टूम तैराकी नहीं कर सकेंगे एवं प्रथम दिवस निर्धारित समय प्रवेश कार्ड अनुसार समय से 10 मिनट पूर्व आने की सलाह दी है।

गले मिलकर दी ईद की मुबारकबाद, सेवइयां खिलाकर मुंह मीठा कराया

ग्वालियर। चांद दिखने के बाद सोमवार को ईद उल फित्तर मनाई गई। सुबह 7.30 बजे से 9.15 बजे तक ग्वालियर की आधा सैकड़ा से ज्यादा मस्जिद, ईदगाहों पर एक साथ ईद की विशेष नमाज अदा की गई। नमाज के बाद मस्जिद से बाहर आए मुस्लिम समाज के युवाओं, बुजुर्ग और बच्चों ने एक दूसरे के गले लगकर ईद उल फित्तर की मुबारकबाद दी। ईद के मौके पर शहर में हर तरफ खुशी का माहौल देखा गया। कोई अप्रिय घटना न घटे इसके लिए पुलिस फोर्स भी तैनात रहा।

रूयते हिलाल कमेटी के सदर शहर काजी अब्दुल अजीज कादरी ने बताया कि सोमवार को ईद का पर्व मनाया गया। शहर की सबसे बड़ी मस्जिद फूलबाग की मोती मस्जिद में सुबह 9 बजे ईद उल फित्तर की विशेष नमाज पढ़ी गई। इसके बाद बाहर निकलकर बच्चों और बड़ों ने एक दूसरे को गले सज गये थे। मुस्लिम समुदाय के लोगों ने ईद के मौके पर कपड़े, गहने खरीदे। इतिहास में बताया गया है कि रोजा रखकर ही पैगंबर मुहम्मद ने अपने अनुयायियों के साथ दुश्मन की भारी भरकम सेना को भी धूल चटा दी थी। जंग-ए-बद्र की जीत के बाद खुशी में लोगों का मुंह मीठा करवाया गया था, जिसके बाद से इस दिन को मीठी ईद या ईद-उल-फित्तर के रूप में मनाया जाता है। ईद उल फित्तर पर मुस्लिम समुदाय के लोग एक दूसरे को मीठी सेवइयां खिलाकर मुंह मीठा कराते हैं।

नाबालिग छात्रा को जबरन कार में बैठाकर भगाने की कोशिश, दो आरोपी पकड़े

ग्वालियर। नाबालिग छात्रा को जबरन कार में बैठाकर भागने की कोशिश कर रहे दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मामला अपहरण का है या फिर आपसी विवाद का, पुलिस इसकी पड़ताल कर रही है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार कंट्रोल रूम में फोन कर किसी ने छात्रा के अपहरण की सूचना दी थी। सूचनाकर्ता ने पुलिस को बताया था कि अपहरणकर्ता नाबालिग को कार से चेतकपुरी माधवनगर से महाराज बाड़ा की तरफ ले जा रहे हैं, जिस पर पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर दी। करीब 25 मिनट बाद रॉक्सीपुल पर पुलिस ने कार को ट्रैस कर लिया। गाड़ी रोकने के लिए पुलिसकर्मियों ने बैरिकेड्स लगाए। कार सवारों को रुकने की चेतावनी दी। ड्राइवर ने बैरिकेड्स को टक्कर मारते हुए कार भगाने की कोशिश की। लेकिन मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने उन्हें पकड़ लिया।

जिसके बाद लड़की समेत दोनों युवकों को पुलिस माधौगंज थाने ले आई और पूछताछ की।

माधौगंज पुलिस के मुताबिक माधवनगर गेट से मारुति स्विफ्ट कार नंबर एमपी07जेडजी 0352 में सवार दो युवक लड़की को जबरन अपने साथ ले जा रहे थे। सोमवार दोपहर 12 बजे इसकी सूचना पुलिस कंट्रोल रूम को मिली। जिसके बाद इस सूचना को सभी पॉइंट्स पर फॉरवर्ड किया गया। शहर के नाकाबंदी पॉइंट पर चेकिंग लगा दी गई। पुलिस के कई चेकिंग पॉइंट से बचती हुई कार करीब 25 मिनट बाद माधौगंज थाना इलाके में रॉक्सीपुल पर दिखी। वहां मौजूद हवलदार ने सड़क पर बैरिकेड्स लगाकर उसे रोकने की कोशिश की।

कार सवार युवकों ने बैरिकेड्स में टक्कर मार दी, लेकिन भाग नहीं सके। पुलिस ने कार सवार आरोपी आर्यन शुक्ला और अभिषेक नारवे को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। एएसपी कृष्ण लालचंदानी ने कहा- पुलिस को ऐसी सूचना मिली थी कि एक लड़की का कार सवारों ने अपहरण किया है। जिस पर घेराबंदी कर कार को रॉक्सी पुल पर पकड़ लिया गया है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

मध्यप्रदेश भ्रष्टाचार और अपराध में प्रथम स्थान पर: विधायक सिकरवार

ग्वालियर। आज मध्यप्रदेश भ्रष्टाचार और अपराध में प्रथम स्थान पर है, जिसका पूरा श्रेय भाजपा सरकार को जाता है, पूरा प्रदेश भाजपा सरकार ने कर्ज में डूबो दिया है, विकास कार्य ठप पडे हैं। जनता को बुनियादी सुविधायें नही मिल रही है, क्योंकि सरकार के पास जनता की समस्याओं के बारे में सोचने का समय नहीं है। यह सरकार केवल उद्योगपतियों के लिये काम कर रही है। लेकिन कांग्रेस पार्टी जनता की समस्याओं के निराकण और न्याय दिलाने के लिये कोई कसर नही छोडेगी। अगर जरूरत पडी तो कांग्रेस का एक-एक कार्यकर्ता सड़कों पर उतरेगा इस भाजपा सरकार के खिलाफ लडेगा।

यह बात विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने सोमवार को वार्ड क्रमांक 22 के कार्यकर्ताओं की बैठक में कही। बैठक में प्रदेश प्रवक्ता राम पाण्डे, वरिष्ठ नेता प्रेम सिंह नेताजी, ब्लॉक अध्यक्ष महादेव अपोरिया, पार्षद प्रमोद खरे, रामगोपाल मिलन, कैप्टन रामसिया शाक्स, जिलाध्यक्ष आई.टी. सेल आदित्य सेंगर आदि मौजूद थे।

शरारती तत्वों का आतंक, घर के बाहर खड़े एक दर्जन वाहनों में की तोड़फोड़

ग्वालियर। लंबी खामोशी के बाद एक बार फिर सिरफिरे बदमाशों ने आधी रात को कॉलोनी में जमकर तांडव किया और यहां पर सड़कों पर खड़ी कारें और बसों में जमकर तोडफोड़ की। घटना गोला का मंदिर थाना क्षेत्र के गोवर्धन कॉलोनी में बीती रात करीब डेढ़ से दो बजे के बीच की है। घटना का पता सुबह चला जब लोग सोकर जागे तो पता चला कि उनके वाहनों में तोडफोड़ की गई है। एक दर्जन वाहनों में तोडफोड़ का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल में जुट गई है।

गोला का मंदिर थाना क्षेत्र के गोवर्धन कॉलोनी निवासी सौरभ शर्मा पुत्र मनोज शर्मा छात्र है और बीती रात मार्केट से आने के बाद अपनी अल्टो कार क्रमांक एमपी07टीए 1788 को घर के बाहर खड़ी कर अंदर चले गए और खाना खाने के बाद सो गए थे।

सुबह जब वह जागे तो पता चला कि अज्ञात बदमाशों ने उनकी कार की तोडफोड़ कर दी है। वह अभी अपनी कार को देख रहे थे कि तभी पता चला कि पास ही रहने वाले सुखदेव सिंह तोमर पुत्र दिनेश सिंह तोमर की कार वैगन आर एमपी07सीबी 0415 भी बदमाशों ने तोड़ दी है। इसके बाद वह आस-पास के क्षेत्र से निकले तो पता चला कि शरारती तत्वों ने करीब एक दर्जन उन वाहनों में तोडफोड़ की है जो सड़क पर खड़े हुए थे, जिसमें दस कार व एक बस है। इनके मालिकों को जब घटना का पता चला तो वह भी मौके पर आ गए और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल शुरू कर दी।

पुलिस ने इस इलाके में लगे सीसीटीवी चेक किए तो चार बदमाश वारदात को अंजाम देते हुए कैद हुए है। सभी बदमाश नकाबपोश थे और एक ही स्कूटी से आए थे। पुलिस फुटेज के आधार पर अब बदमाशों की तलाश में जुट गई है। यह पहला मौका नहीं है, इससे पहले भी शरारती तत्वों ने कई थाना क्षेत्रों में वारदातों को अंजाम देकर घटनाओं को अंजाम दिया है। लगातार वारदातों के बाद भी यह बदमाश पुलिस के हाथ नहीं आए हैं। जिस तरह नकाबपोशों ने वाहनों में तोडफोड़ की वारदात को अंजाम दिया है। उससे इस इलाके में वह लोग दहशत हैं, जिनके वाहन सड़क पर पार्क होते है और उन्हें डर है कि अब बदमाश उनके वाहनों में तोडफोड़ ना कर दें।

रेरा से संबंधित आरआरसी की वसूली के लिये विशेष मुहिम चलाएँ: कलेक्टर श्रीमती चौहान

ग्वालियर। रेरा से संबंधित आरआरसी की वसूली के लिये विशेष मुहिम चलाएँ। संबंधित तहसीलदार वसूली का काम समय-सीमा में पूर्ण करें। इसमें किसी भी प्रकार की ढ़िलाई बर्दाश्त नहीं की जायेगी। यह निर्देश कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने सोमवार को राजस्व अधिकारियों की बैठक में सभी एसडीएम व तहसीलदारों को दिए। उन्होंने तहसीलदारवार रेरा से संबंधित आरआरसी की वसूली की बारीकी से समीक्षा की। साथ ही वसूली में तेजी लाने के निर्देश दिए।

राजस्व अधिकारियों की बैठक में कलेक्टर श्रीमती चौहान ने उच्च न्यायालय से संबंधित अवमानना प्रकरणों की भी बैठक में समीक्षा की। उन्होंने एसडीएम व तहसीलदारों सहित अन्य संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि न्यायालयों में विचाराधीन प्रकरणों में समय से तथ्यों के साथ जवाब प्रस्तुत करें। इसमें उदासीनता पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई होगी।

बैठक में अन्य राजस्व गतिविधियों एवं राज्य शासन के प्राथमिकता वाले कार्यक्रमों की समीक्षा भी की गई। बैठक में अपर जिला दण्डाधिकारी टी एन सिंह, जिले के एसडीएम एवं तहसीलदार मौजूद थे।

परिजनों की नसीहत से नाराज होकर नाबालिक बालक घर से भागा

पुलिस ने की रातभर सर्चिंग, सुबह मिला लापता बालक

ग्वालियर। दस वर्षीय छात्र घर के सामने से अचानक लापता हो गया था। घटना रविवार शाम 5 बजे आदित्यपुरम की है। परिजन को जब बच्चा नहीं मिला तो वह परेशान हो गए पुलिस के पास पहुंच गए। हाल ही में कुछ अपहरण के मामले से पुलिस ने इस मामले को भी गंभीरता से लिया। पुलिस बच्चे की तलाश में सीसीटीवी खंगाल रही थी, लेकिन तभी 15 घंटे बाद सोमवार सुबह लापता बच्चा मिल गया है। वह घर से डांटने पर नाराज होकर निकला था। रात भर एक मंदिर में गुजारी और सुबह अपनी नानी के यहां पहुंच गया। बच्चा मिलने के बाद परिजनों और पुलिस ने राहत की सांस ली है।

शहर के महाराजपुरा थाना स्थित आदित्यपुरम रिलायंस पेट्रोल पंप के पास रहने वाले 34 वर्षीय हरीशचन्द्र मुखर्जी एक प्राइवेट कंपनी में काम करते हैं। यहां वह सुनील पाल के मकान में किराए पर रहते हैं। उनका दस वर्षीय बेटा रविवार शाम घर के बाहर खेल रहा था। कुछ देर पहले ही मां ने उसे ज्यादा खेलने पर डांटा था। शाम पांच बजे जब उन्होंने बाहर देखा तो अन्य बच्चे खेल रहे थे, लेकिन उनका बेटा नहीं था। जब उन्होंने पूछा कि उनका बेटा कहां है तो बच्चों ने कहा पता नहीं अचानक चला गया

था। जिसके बाद उन्होंने अपने रिश्तेदारों के यहां तलाश किया, लेकिन वह नहीं मिला। इसके बाद परिजन घबरा गए और महाराजपुरा थाना पहुंचकर बच्चे की सूचना दी। लापता बच्चे की उम्र सिर्फ 10 साल होने पर पुलिस ने तत्काल अपहरण का मामला दर्ज कर मामले को गंभीरता से लेते हुए छानबीन शुरू कर दी। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी खंगाले, लेकिन छात्र का कोई सुराग नहीं लगा। अभी पुलिस पता लगा रही थी कि तभी सोमवार सुबह 8 बजे करीब 15 घंटे बाद परिजन को सूचना मिली कि लापता छात्र अपनी नानी के घर पहुंच गया है। जिस पर परिजन ने पुलिस को सूचना दी और नानी के घर शहर के पडाव इलाके में पहुंचकर बच्चे को वापस ले आए हैं। पता लगा है कि बच्चा परिजन के डांटने पर घर से निकल गया था।लापता ने पुलिस को बताया है कि वह गुस्सा होकर घर से निकल गया था। इसके बाद वह शहर के एक हनुमान मंदिर पहुंचा था। रात भर यहां सोता रहा, लेकिन सुबह जब लोग मंदिर पहुंचे तो उन्होंने उसे टोकना शुरू कर दिया। जिस पर उसने पास ही अपनी नानी के घर जाना ही ठीक समझा।

गत्ते से भरी लोडिंग में लगी आग, हादसा टला

ग्वालियर। ग्वालियर से मालनपुर गत्ता भरकर जा रहे लोडिंग में शॉर्ट सर्किट के चलते आग लग गई। आग फैलती उससे पहले ही वहां से निकल रहे अन्य वाहन चालकों ने आग लगने की जानकारी वाहन चालक को दी। मामले का पता चलते ही पुलिस और दमकल अमला मौके पर पहुंचा, लेकिन उससे पहले ही लोगों ने आग बुझा ली। पुलिस ने आग बुझने पर राहत की सांस ली। वहीं चालक ने शिकायती आवेदन पुलिस को दिया है।

बिरला नगर निवासी अनुराग तिवारी पुत्र रामनरेश तिवारी ट्रांसपोर्टर है और उनकी लोडिंग चलती है। रविवार की दोपहर करीब बारह बजे उनकी लोडिंग क्रमांक एमपी 07 जेडएम 9464 मालनपुर गत्ता भरकर जा रही थी और अभी वह हादवे पर पहुंचा ही था, कि तभी शॉर्ट सर्किट से उसमें आग लग गई और आग फैलने लगी। तभी वहां से गुजर रहे अन्य वाहन चालकों ने ड्राइवर को आग लगने की जानकारी दी। मामले का पता चलते ही चालक ने सूझबूझ दिखाई और लोडिंग को रोककर अन्य लोगों की मदद से आग पर काबू पाया। जब तक पुलिस और दमकल अमला मौके पर पहुंचा, लोगों ने आग को पूरी तरह से बुझा लिया था। पुलिस और दमकल अमले ने भी आग बुझने पर राहत की सांस ली। पुलिस अफसरों का कहना है कि लोडिंग में गत्ता भरा हुआ था और समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जाता तो पूरी लोडिंग जलकर खाक हो जाती, क्योंकि आग गत्ते तक नहीं पहुंची थी।

घर के सामने से कार ले गए चोर

ग्वालियर। घर के सामने खड़ी कार को अज्ञात चोर चोरी कर ले गए। घटना विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र के सरस्वती नगर में बीती रात की है।

विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र के 140 सरस्वती नगर निवासी प्रदीप उपाध्याय पुत्र गंगा प्रसाद उपाध्याय रहते है। बीते रोज वह बाजार से आए और अपनी स्विफ्ट कार क्रमांक एमपी 07 सीई 2206 को घर के बाहर खड़ा कर दी थी। रात को खाना खाने के बाद वह सो गए थे और सुबह जब वह जागे तो घर के बाहर खड़ी उनकी कार गायब थी। कार गायब देखकर उन्होंने उसकी तलाश की, लेकिन उसका पता नही चला तो वह थाने पहुंचे और मामले की शिकायत की। पुलिस ने उनकी शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है।

लोडिंग की टक्कर से वृद्ध महिला की मौत

ग्वालियर। सड़क हादसे में घायल बुजुर्ग महिला की उपचार के दौरान मौत के बाद पुलिस ने महिला को टक्कर मारने वाले वाहन का पता सीसीटीवी की मदद से लगा लिया है। पुलिस अब आरोपी वाहन के खिलाफमामला दर्ज करने के बाद वाहन की तलाश में लग गई है।

कोतवाली थाना प्रभारी मोहिनी मिश्रा ने बताया कि दाल बाजार स्थित मैना वाली गली में 90 वर्षीय एक बुजुर्ग महिला घायल हालत में मिली थी। घायल महिला को उपचार के लिए भर्ती कराया, जहां पर उसने दम तोड़ दिया था। महिला की मौत का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और महिला की शिनाख्ती के प्रयास किए, लेकिन उसकी पहचान नहीं हुई तो मर्ग कायम कर आरोपी वाहन की तलाश शुरू कर दी। पुलिस ने जब दाल बाजर में लगे सीसीटीवी खंगाले तो पता चला कि बुजुर्ग महिला को टक्कर टाटा गाड़ी क्रमांक एमपी08जीए 3794 के चालक ने टक्कर मारी है। पुलिस ने जांच के बाद आरोपी वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

बाइक की टक्कर से अधेड़ घायल

तेज रफ्तार आ रहे बाइक सवार ने पैदल जा रहे एक अधेड़ को तेज रफ्तार बाइक सवार ने टक्कर मार दी। घटना थाटीपुर थाना क्षेत्र के कुम्हरपुरा चौराहे की है। घटना का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद घायल को उपचार के लिए पहुंचाया है। घायल की पहचान पूरन पुत्र रघुवर सिंह उम्र 55 साल निवासी शिवनगर के रूप में हुई है। हादसे के बाद आरोपी चालक वहां से भाग निकला, अब पुलिस सीसीटीवी के आधार पर उसकी तलाश में जुट गई है।

प्रजापति समाज का होली मिलन समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न

ग्वालियर। प्रजापति समाज में श्री ताल वाले हनुमान मंदिर पर राष्ट्रीय प्रजापति हितकारिणी महासभा भारतवर्ष के तत्वावधान में मंदिर प्रबंधन कार्यसमिति के माध्यम से विशाल प्रजापति होली मिलन समारोह एवं सामाजिक समरसता गोठ का कार्यक्रम रखा गया। कार्यक्रम की थीम प्रजापति समाज की एकता और समरसता को प्रदर्शित करना भी रहा। आयोजनकर्ता एवं मंदिर प्रबंधन कार्यसमिति के अध्यक्ष बलराम प्रजापति के द्वारा प्रजापति समाज के भारतीय सेना से सेवानिवृत्त सैनिकों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में केबिनेट मंत्री नारायण सिंह कुशवाह, सुनील शर्मा, सभापति मनोज तोमर, पार्षद श्रीमती सरोज हेवरन कंसाना, राष्ट्रीय प्रजापति हितकारिणी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ख्यालेन्द्र प्रजापति उपस्थित थे। कार्यक्रम में प्रजापति समाज के डिप्टी कमिश्नर विकास शिवप्रसाद गोला, एस.एन. प्रजापति 'शिवम' राष्ट्रीय मुख्य महासचिव एवं गणेश प्रजापति राष्ट्रीय सचिव, महिला विंग की राष्ट्रीय संयोजिका श्रीमती योगेश्यरी पचोखरिया, जिलाध्यक्ष श्रीमती प्रिया प्रजापति, पूर्व पार्षद एवं वरिष्ठ समाजसेवी भगवान दास प्रजापति, प्रजापति समाज के आधार स्तम्भ मुरारीलाल प्रजापति, प्रहलाद विश्वकर्मा, एसआर गोले, हेमसिंह रौतेले, श्यामलाल प्रजापति, प्रहलाद प्रजापति, सोनेराम प्रजापति, श्यामलाल राजधर, वेदप्रकाश सुजेनिया, युवा नायक सुरेश प्रजापति सहित ग्वालियर, डबरा, भिंड, मुरैना, शिवपुरी में कार्यरत सभी संस्था प्रमुखों, समाजसेवियों के साथ-साथ हजारों की संख्या में समाज बंधु एकत्रित हुए। मंच संचालन सह सचिव भालचंद्र प्रजापति द्वारा किया गया।

संपादकीय

जल संरक्षण का संदेश, 1100 करोड़ क्यूबिक मीटर पानी बचाने में सफलता

यह अच्छी बात है कि जलशक्ति मंत्रालय की ओर से जल संरक्षण के विभिन्न कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं लेकिन अभीष्ट की प्राप्ति तब होगी जब हर कोई अपने स्तर पर जल संरक्षण के उपायों को अपनाने में तत्परता का परिचय देगा। जल संरक्षण का काम केवल सरकार और उसकी एजेंसियों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। यह सबकी साझा जिम्मेदारी है और इसका निर्वहन इसी रूप में होना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात में जल संरक्षण पर जोर देकर देश की जनता को उपयुक्त समय पर एक सही संदेश देने का काम किया। ऐसा करते हुए उन्होंने यह जो जानकारी दी कि पिछले सात-आठ वर्षों में जल संरक्षण के विभिन्न उपायों के जरिये 1100 करोड़ क्यूबिक मीटर पानी बचाने में सफलता मिली, वह लोगों को उत्साहित करने और पानी की महत्ता को समझने के लिए प्रेरित करने वाली है। निःसंदेह यह किसी उपलब्धि से कम नहीं कि जल संरक्षण के उपायों के जरिये बड़ी मात्रा में पानी बचाने में सफलता मिली है और प्रधानमंत्री ने इसका उल्लेख इसलिए किया, क्योंकि उनकी सरकार ने जल संरक्षण के लिए नीतिगत स्तर पर कुछ उल्लेखनीय कार्य किए हैं, लेकिन अभी इस दिशा में बहुत कुछ करने की आवश्यकता है। इस आवश्यकता की पूर्ति सरकारों, समाजसेवी संस्थाओं और साथ ही आम जनता की ओर से अपने स्तर पर इसलिए की जानी चाहिए, क्योंकि अपने देश में पानी को बचाने के वैसे उपाय नहीं किए जा रहे हैं जैसे आवश्यक हैं। इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि वर्षा ऋतु में बहुत सा जल बेकार चला जाता है। सरकार और समाज की कोशिश यह होनी चाहिए कि वर्षा जल का अधिकाधिक संग्रह किया जा सके, क्योंकि भारत उन देशों में प्रमुख है जहां जल संकट सिर उठाता दिख रहा है। जल संरक्षण के प्रयासों को कितनी गंभीरता से लेने की आवश्यकता है, इसे इससे समझा जा सकता है कि भारत में दुनिया की 17 प्रतिशत जनसंख्या निवास करती है, जबकि उसके उपयोग के लिए उपलब्ध जल चार प्रतिशत से भी कम है। जल संरक्षण के तहत केवल वर्षा जल को सहेजने का ही काम नहीं होना चाहिए, बल्कि अन्य उपायों पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। उदाहरणस्वरूप तालाबों का अधिकाधिक निर्माण किया जाए और परंपरागत जल स्रोतों को दूषित होने से बचाया जाए। इसके अतिरिक्त उन उपायों को प्राथमिकता के आधार पर अपनाया जाए जिनसे घरेलू कार्यों, औद्योगिक गतिविधियों और खेती में पानी की खपत को कम किया जा सके। अभी सीमित स्तर पर ही ऐसे उपाय अपनाए गए हैं। इसी कारण न केवल खेती में आवश्यकता से अधिक पानी का उपयोग हो रहा है, बल्कि औद्योगिक गतिविधियों में भी। स्पष्ट है कि जल संरक्षण की चिंता पूरे वर्ष की जानी चाहिए। यह अच्छी बात है कि जलशक्ति मंत्रालय की ओर से जल संरक्षण के विभिन्न कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं, लेकिन अभीष्ट की प्राप्ति तब होगी जब हर कोई अपने स्तर पर जल संरक्षण के उपायों को अपनाने में तत्परता का परिचय देगा। जल संरक्षण का काम केवल सरकार और उसकी एजेंसियों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। यह सबकी साझा जिम्मेदारी है और इसका निर्वहन इसी रूप में होना चाहिए।

भूलने की वजह से होते हैं ज्यादातर वैवाहिक झगड़े, स्मृति का लक्ष्य बुद्धिमान निर्णय लेने का मार्गदर्शन करना

‘ परंपरागत रूप से भूलना समय के साथ मस्तिष्क में दर्ज और संग्रहीत जानकारी के निष्क्रिय क्षय के रूप में माना जाता है। भूलना जरूरी नहीं कि दोषपूर्ण स्मृति का संकेत हो। एक बुद्धिमान स्मृति प्रणाली के लिए भूलना जरूरी है। इसके पक्ष में कुछ शोधकर्ता तर्क देते हैं कि मस्तिष्क के स्मृति तंत्र का जैविक लक्ष्य जानकारी को संरक्षित करना नहीं है, बल्कि मस्तिष्क को सही निर्णय लेने में मदद करना है। ’

यादें अतीत की खिड़की होती हैं जो लोगों को भविष्य के लिए तैयार होने में मदद करती हैं। यादें ही हमारी रचना हैं। अपनी यादों पर चिंतन करना केवल यादों की गलियों में यात्रा करना नहीं है, बल्कि हमारे अतीत के उन सभी टुकड़ों पर नजर डालना है, जिन्होंने हमारे भविष्य का निर्माण किया है। परंपरागत रूप से भूलना समय के साथ मस्तिष्क में दर्ज और संग्रहीत जानकारी के निष्क्रिय क्षय के रूप में माना जाता है। भूलना जरूरी नहीं कि दोषपूर्ण स्मृति का संकेत हो। एक बुद्धिमान स्मृति प्रणाली के लिए भूलना जरूरी है। इसके पक्ष में कुछ शोधकर्ता तर्क देते हैं कि मस्तिष्क के स्मृति तंत्र का जैविक लक्ष्य जानकारी को संरक्षित करना नहीं है, बल्कि मस्तिष्क को सही निर्णय लेने में मदद करना है। स्मृति स्वयं अभी भी एक रहस्य है, लेकिन इसमें मूल रूप से मस्तिष्क में होने वाले शारीरिक परिवर्तन शामिल हैं जो पिछले अनुभवों का प्रतिनिधित्व करते हैं। स्मृति का लक्ष्य बुद्धिमान निर्णय लेने का मार्गदर्शन करना है। सिर्फ सार को समझना विशेष रूप से बदलते परिवेश में सहायक होता है, जहां कुछ यादों के खो जाने से कई तरीकों से निर्णय लेने में सुधार होता है। भूलने में विफलता के परिणामस्वरूप अवांछित या दुर्बल करने वाली यादें बनी रहती हैं। भूलने की आदत से बचने की कोशिश में कुछ लोग यादों के महल बनाते हैं। लेकिन यह याद रखने की जरूरत है कि यादों के सबसे शानदार महल को भी कूड़ेदानों की जरूरत होती है। कुछ ऐसी यादें होती हैं जो हमें नहीं चाहिए और जिनकी हमें जरूरत नहीं होती। कई बार हम अपने जीवन की कुछ बातें भूलने का सचेतन प्रयास भी करते हैं या फिर उस बात के याद आने के बाद उससे परेशान दिखते हैं। कई मामलों में भूलना केवल स्मृति के किसी अंश को याद करने में असमर्थता को दर्शाता है। मस्तिष्क की उल्लेखनीय भंडारण क्षमता से पता चलता है कि इसमें एक कुशल सूचना प्रबंधन प्रणाली है, जो ‘डेटा’ निपटान विधियों से सुसज्जित है। यानी अतीत के ब्योरों को जरूरत के मुताबिक मस्तिष्क सहेजता या फिर निपटाता भी रहता है। शोधकर्ता मानते हैं कि निष्क्रिय तंत्र की तुलना में ‘सक्रिय’ भूलना स्मृति को मिटाने में अधिक शक्तिशाली हो सकता है। सूचनाओं से भरी दुनिया में शोर को कम करने और बेकार विवरणों को त्यागने में सक्षम होना आवश्यक है, ताकि वे नई शिक्षा या विचारों तक

व्यक्ति की पहुंच में बाधा न डालें। भूलने की क्षमता हमें प्राथमिकता तय करने, बेहतर सोचने, निर्णय लेने और पहले से अधिक रचनात्मक होने में मदद करती है। सामान्य भूलने की क्षमता स्मृति के साथ संतुलन में, हमें संग्रहीत जानकारी के दलदल से अमूर्त अवधारणाओं को समझने के लिए मानसिक लचीलापन देती है, जिससे हम पेड़ों के बीच जंगल देख पाते हैं। जीवन में व्यस्त रहने के साथ-साथ, मस्तिष्क को सक्रिय रूप से भूलने में मदद करने का एक और तरीका आक्रोश, द्वेष और पिछली निराशाओं को जाने देने का सचेत निर्णय लेना है। जितना अधिक हम किसी दुखद याद पर ध्यान देते हैं या यादों के आसपास की घटनाओं पर चिंतन करते हैं, स्मृति के आसपास ‘न्यूरोनल संपर्क’ उतने ही मजबूत होते हैं। पुरानी कहावत है- ‘माफ करने के लिए हमें भूलना पड़ता है।’ ज्यादातर वैवाहिक झगड़े भूलने की अक्षमता से सामने आते हैं। अगर कोई ऐसी दवा बना सकता है जो अपमान को जल्दी भुला सके, तो जीवन बेहद आनंददायक हो सकता है। यह अलग प्रश्न है कि इससे किसी का अपमान करना सामान्य व्यवहार की एक सहज गतिविधि हो जाए। मगर किसी अपमान की वजह से जीवन रुक जाए, यह भी उचित नहीं। मनोवैज्ञानिक शोधों में पाया गया है कि लगभग छप्पन फीसद जानकारी एक घंटे के भीतर, छियासठ फीसद एक दिन के बाद और पचहत्तर फीसद छह दिनों के बाद किसी न किसी रूप में भूल जाती है। भूलना उस जानकारी में कमी या बदलाव है जो पहले अल्पकालिक या दीर्घकालिक स्मृति में संग्रहीत थी। मस्तिष्क सक्रिय रूप से उन यादों को छांटता है जो अप्रयुक्त हो जाती हैं। जैसे-जैसे यादें जमा होती हैं, जो फिर से प्राप्त नहीं होती हैं, वे आखिरकार खो जाती हैं। मानव मस्तिष्क एक ऐसा ‘पावर हाउस’ या ऊर्जा तंत्र है जो हमारे द्वारा किए गए हर काम को यादों से जोड़ता है। यादें किसी व्यक्ति के लिए उतनी ही अनोखी होती हैं, जितनी कि उसके अंगूठे के निशान। अच्छी और स्थायी यादें बनाना जीवन में एक आशीर्वाद है। एक सुखद स्मृति हमें मुश्किल समय से गुजरने और हर चीज का सकारात्मक दृष्टिकोण से सामना करने में मदद कर सकती है। दिल को छू लेने वाली घटनाओं के साथ यादों के उद्धरण जोड़ने से उन्हें हमेशा याद रखने में मदद मिलती है। हमारी कई यादें हमें अपने प्रियजनों को याद करने और उनके द्वारा सिखाए गए सबक को याद करने की अनुमति देती हैं। यादें एक वरदान की तरह होती हैं और आपको अपने लिए एक जगह बनाने में मदद करती हैं। यादें अतीत की खिड़की होती हैं जो लोगों को भविष्य के लिए तैयार होने में मदद करती हैं। यादें ही हमारी रचना हैं। अपनी यादों पर चिंतन करना केवल यादों की गलियों में यात्रा करना नहीं है, बल्कि हमारे अतीत के उन सभी टुकड़ों पर नजर डालना है, जिन्होंने हमारे भविष्य का निर्माण किया है। वही भविष्य, जो हम अभी जी रहे हैं। दूसरे शब्दों में अतीत के बिना कोई वर्तमान क्षण नहीं होता। यादें हमारे जीवन की समयरेखा पर एक प्रतीक चिह्न या ‘मार्कर’ के रूप में काम करती हैं। यादें वर्ष बीतने के साथ-साथ फीकी पड़ सकती हैं, लेकिन वे एक दिन भी पुरानी नहीं होती। जिस तरह कुछ यादें सहज जीवन में बाधक के रूप में काम करती हैं, उसी तरह कभी-कभी हम किसी पल का मूल्य तब तक नहीं जान पाते जब तक वह याद न बन जाए। यादें एक बगीचे की तरह होती हैं। नियमित रूप से सुंदर फूलों की देखभाल करते और आक्रामक खरपतवारों को हटाते रहना चाहिए।

सही आदर्श चुने मुस्लिम समाज, विचारशील व्यक्तियों से प्रेरणा लेनी चाहिए

1659 में औरंगजेब की जीत और दारा की हत्या मुगल इतिहास में एक निर्णायक मोड़ साबित हुई। उस घटना ने न केवल मुगल साम्राज्य को एक संकीर्ण शासन की ओर मोड़ा बल्कि भारतीय उपमहाद्वीप के भविष्य को भी प्रभावित किया। कई इतिहासकार इस बात को मानते हैं कि यदि दारा शिकोह सत्ता में आते तो संभवतः मुगल शासन धार्मिक सहिष्णुता और सांस्कृतिक समावेशिता के नए आयाम छूता। रामिश सिद्दीकी। प्रत्येक समाज को आगे बढ़ने के लिए समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। वास्तव में वैचारिक विकास के बाद ही उस समाज का विकास संभव होता है। औरंगजेब पर चर्चा आज फिर यही सवाल खड़ा कर रही है कि क्या मुस्लिम समाज में रोल मॉडल की कोई कमी रही, जो आज भी कुछ लोगों को औरंगजेब को चुनना पड़ता है? तो इसका उत्तर मिलेगा नहीं, मुस्लिम समाज में अनेक रोल माडल हैं, बल्कि स्वयं मुगल सल्तनत में भी रोल माडल थे। जैसे औरंगजेब के बड़े भाई एवं मुगल युवराज दारा शिकोह। चौंकाने वाली बात यह है कि आज भी हमारे यहां मुस्लिम समाज के अनेक लोग शाहजहां के इस आध्यात्मिक बेटे से परिचित नहीं हैं। दारा को ऐश्वर्य और जंगी माहौल, दोनों ही विरासत में मिले थे। इसी के साथ उन्हें मिली थी अकबर और जहांगीर द्वारा स्थापित एक बहुसांस्कृतिक विरासत। दारा ने भारतीय उपमहाद्वीप के बौद्धिक और सांस्कृतिक तानेबाने में एक अद्वितीय स्थान प्राप्त किया है। यद्यपि अक्सर उन्हें मुख्यधारा के इतिहासकारों ने अपने शोध के फुटनोट में धकेल दिया, इसके बावजूद उनकी विरासत एक प्रखर विद्वान और धार्मिक बहुलतावाद के प्रबल समर्थक के रूप में जानी जाती है। एक ऐसे समय में जब युद्ध और युद्ध के मैदान में प्रबलता सबसे बड़ा गुण माना जाता था, तब दारा ने धार्मिक विचारों की आजादी को बड़ी चीज समझा था। जहां एक तरफ दारा के भाई शाही सत्ता को कब्जाने और उसका विस्तार करने की रणनीतिक अनिवार्यताओं पर ध्यान केंद्रित करते थे, तो दारा बौद्धिक और आध्यात्मिक खोज में गहरी रुचि रखते थे। विभिन्न धर्मों को समझने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता ने उन्हें प्रमुख संस्कृत ग्रंथों, विशेष रूप से उपनिषदों का फारसी में अनुवाद करने के विशाल कार्य को शुरू करने के लिए प्रेरित किया। दिल्ली के लाल किले से लेकर वाराणसी के गंगा तट तक दारा ने अपना अधिकतम समय भारतीय अध्यात्म को समझने में लगाया। दारा शिकोह का आध्यात्मिक जगत में

सबसे महत्वपूर्ण योगदान हिंदू धर्म और इस्लाम के बीच सेतु बनाने का प्रयास था। उन्होंने हिंदू धर्मग्रंथों का गहन अध्ययन किया और 1657 में उपनिषदों का फारसी में अनुवाद किया, जिसे ‘सिर्र-ए-अकबर’ (महान रहस्य) नाम दिया गया। इस कार्य के माध्यम से उन्होंने हिंदू दार्शनिक चिंतन को फारसी और इस्लामी जगत तक पहुंचाया, जिससे बाद में यूरोपीय विद्वानों, जैसे कि शोपेनहावर को भी प्रेरणा मिली। दारा मुगल सम्राट शाहजहां के सबसे बड़े बेटे और सूफी मत के अनुयायी थे। वह सूफियों के कादिरी सिलसिले से जुड़े हुए थे। उन्होंने खुद को इस्लाम तथा हिंदू धर्म के बीच आध्यात्मिक समानताओं को खोजने में पूर्णतः समर्पित कर दिया था। उनका मानना था कि उपनिषद एक गूढ़ ज्ञान छिपाए हुए हैं, जो इस्लाम की सूफी परंपरा (तसव्वुफ) से मेल खाते हैं। उन्होंने कई पुस्तकें भी लिखीं, जिनमें ‘मज्मा-उल-बहरैन’ (दो समुद्रों का संगम) प्रमुख है, जिसमें सूफी मत और वेदांत के बीच समानताओं का विश्लेषण किया गया है। उन्होंने यह काम धार्मिक विद्वानों से संवाद, अपने आध्यात्मिक अनुभवों और धार्मिक सहिष्णुता की भावना के आधार पर किया। हिंदू पंडितों की सहायता से किया गया यह प्रयास केवल एक भाषाई अभ्यास नहीं था, बल्कि हिंदू और इस्लामिक परंपराओं के बीच बौद्धिक और आध्यात्मिक विभाजन को पाटने का एक महत्वपूर्ण प्रयास भी था। दारा शिकोह विभिन्न धार्मिक समुदायों को एक मंच पर लाने और संवाद को बढ़ावा देने में विश्वास रखते थे। उनके लिए धर्म केवल आस्था का विषय नहीं था, बल्कि एक ऐसा माध्यम था जिससे समाज में समरसता लाई जा सकती थी। दारा के जीवन का सबसे दुखद मोड़ तब आया, जब शाहजहां के बीमार पड़ने के बाद मुगल सल्तनत में उत्तराधिकार को लेकर संघर्ष छिड़ा। उस संघर्ष में उनका सबसे बड़ा प्रतिद्वंद्वी उनका छोटा भाई औरंगजेब था। यह केवल दो भाइयों के बीच सत्ता की लड़ाई नहीं थी, बल्कि दो अलग-अलग वैचारिक दृष्टिकोणों का टकराव भी था। दारा समावेशिता, धार्मिक सहिष्णुता और बौद्धिक स्वतंत्रता के प्रतीक थे, जबकि औरंगजेब एक अधिक रूढ़िवादी और केंद्रीकृत शासन प्रणाली की ओर बढ़ रहा था। 1659 में औरंगजेब की जीत और दारा की हत्या मुगल इतिहास में एक निर्णायक मोड़ साबित हुई। उस घटना ने न केवल मुगल साम्राज्य को एक संकीर्ण शासन की ओर मोड़ा, बल्कि भारतीय उपमहाद्वीप के भविष्य को भी प्रभावित किया। कई इतिहासकार इस बात को मानते हैं कि यदि दारा शिकोह सत्ता में आते, तो संभवतः मुगल शासन धार्मिक सहिष्णुता और सांस्कृतिक समावेशिता के नए आयाम छूता। दारा का सोच एक ऐसे समाज की ओर इशारा करता है जहां धर्म और दर्शन संकीर्ण दायरों में बंधने के बजाय आपसी संवाद और समझदारी को बढ़ावा दें। भारतीय समाज में पंथनिरपेक्षता, राष्ट्रीय पहचान और सांस्कृतिक नीतियों पर जारी बहस के बीच दारा शिकोह की विचारधारा और योगदान को फिर से समझने की आवश्यकता है। आज न सिर्फ भारतीय मुस्लिम समाज, बल्कि संपूर्ण भारतीय समाज को दारा जैसे विचारशील व्यक्तियों से प्रेरणा लेनी चाहिए। एक सही रोल माडल ही समाज को बेहतर भविष्य की ओर अग्रसर कर सकता है।

गिल्ली-डंडा और कंचे जैसे खेल भरेंगे बच्चों में नए रंग

देश के अलग-अलग हिस्सों में प्राचीन समय से खेले जाने वाले करीब 75 भारतीय खेलों को अब तक इस पहल के तहत चिह्नित किया गया है। इनमें खो-खो, कबड्डी व गिल्ली-डंडा जैसे ऐसे खेल भी शामिल हैं, जो अलग-अलग नामों से देश के कई हिस्सों में और दुनिया के दूसरे देशों में खेले जाते हैं।

यदि आपके बच्चे स्कूलों में पढ़ रहे हैं और अब तक गिल्ली-डंडा, कंचे, कबड्डी, गुट्टी व राजा मंत्री-चोर सिपाही जैसे खेलों से परिचित नहीं हैं तो जल्द ही उन्हें इन परंपरागत प्राचीन भारतीय खेलों से परिचित होने का मौका मिल सकता है। आधुनिकता और तकनीक के इस दौर में तेजी से लुप्त हो रहे इन परंपरागत भारतीय खेलों को बचाने को लेकर शिक्षा मंत्रालय ने एक नई मुहिम शुरू की है। जिसमें देश की नई पीढ़ी को इन भारतीय खेलों से स्कूली स्तर पर ही जोड़ा जाएगा। इनमें ऐसे परंपरागत खेलों को अधिक अहमियत दी जाएगी, जो समूहों में खेले जाते हैं। माना जा रहा है कि इससे बच्चों में सामाजिक जुड़ाव की भावना विकसित करने में मदद मिलेगी।

देश के अलग-अलग हिस्सों में प्राचीन समय से खेले जाने वाले करीब 75 भारतीय खेलों को अब तक इस पहल के तहत चिह्नित किया गया है। इनमें खो-खो, कबड्डी व गिल्ली-डंडा जैसे ऐसे खेल भी शामिल हैं, जो अलग-अलग नामों से देश के कई हिस्सों में और दुनिया के दूसरे देशों में खेले जाते हैं।

मंत्रालय फिलहाल कबड्डी की तर्ज पर इन खेलों के लिए एक स्टैंडर्ड नियम-कायदे बनाने में जुटा है। इसमें इन खेलों

से जुड़े विशेषज्ञों की मदद ली जा रही है। अब तक कबड्ड़ी, गिल्ली-डंडा, खो-खो और लगोरी या पिट्ठू जैसे खेलों के नियम कायदे और इसे खेलते हुए वीडियो अपलोड भी किए जा चुके हैं। बाकी खेलों को लेकर भी ऐसी तैयारी चल रही है। मंत्रालय से जुड़े अधिकारियों के अनुसार, इस पहल के पीछे का उद्देश्य बच्चों को इन खेलों के जरिये भारतीय जड़ों से परिचित कराना है। इसका एक ढांचा तैयार किया जा रहा है। इन खेलों से जुड़े देशभर के प्रतिभाशाली लोगों की पहचान की जा रही है। स्कूलों में तैनात खेल तथा व्यायाम शिक्षकों को इसका प्रशिक्षण देने की तैयारी भी की जा रही है। यह भी बताया गया है कि स्कूलों से इसका ब्योरा मांगा गया है। इसके साथ ही इन खेलों के प्रति रुझान बढ़ाने के लिए देशभर में इससे जुड़ी प्रतियोगिताएं आयोजित करने जैसी पहल शामिल है। शिक्षा में भारतीय ज्ञान परंपरा को बढ़ावा देने की नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) में की गई पहल को इससे जोड़कर देखा जा रहा है।

लोकतंत्र में बोलने की स्वतंत्रता, सर्वोच्च न्यायालय ने साफ शब्दों में व्यक्त की अपनी राय

विडंबना यह है कि विचारों की जिस भिन्नता की बुनियाद पर एक स्वस्थ समाज का सपना साकार हो सकता है, उसी को कई बार सवालों के कठघरे में खड़ा कर दिया जाता है और इस तरह उसका दमन करने की कोशिश की जाती है। सर्वोच्च न्यायालय ने शुक्रवार को एक बार फिर इस प्रवृत्ति को लोकतंत्र और अभिव्यक्ति के सामने चुनौती की तरह देखा और साफ शब्दों में कहा कि अगर विचार और राय व्यक्त करने की आजादी नहीं होगी तो सम्मानजनक जीवन जीना नामुमकिन होगा, जिसकी गारंटी संविधान के तहत दी गई है।

यह ध्यान रखने की जरूरत है कि कोई भी लोकतंत्र तभी और ज्यादा मजबूत बनता है, जब उसमें अलग-अलग विचारों के प्रति भिन्न समुदायों के भीतर सहिष्णुता के लिए पर्याप्त जगह होती है। यों भी संविधान सभी नागरिकों को भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मौलिक अधिकार प्रदान करता है। किसी भी देश के लोकतंत्र की सबसे बड़ी खूबसूरती यह होती है कि वहां अलग-अलग विचारों या मत को जाहिर करने के मामले में ऐसी बंदिशें नहीं होतीं, जिसे अभिव्यक्ति के दमन के तौर पर देखा जाए। एक वैचारिक रूप से सशक्त और परिपक्व समाज अपने विवेक के स्तर पर इतना समृद्ध होता है कि वह किसी विचार में मानवीय मूल्यों और संदर्भों को दूरगामी परिप्रेक्ष्य में देख सके।

विडंबना यह है कि विचारों की जिस भिन्नता की बुनियाद पर एक स्वस्थ समाज का सपना साकार हो सकता है, उसी को कई बार सवालों के कठघरे में खड़ा कर दिया जाता है और इस तरह उसका दमन करने की कोशिश की जाती है। सर्वोच्च न्यायालय ने शुक्रवार को एक बार फिर इस प्रवृत्ति को लोकतंत्र और अभिव्यक्ति के सामने चुनौती की तरह देखा और साफ शब्दों में कहा कि अगर विचार और राय व्यक्त करने की आजादी नहीं होगी तो सम्मानजनक जीवन जीना नामुमकिन होगा, जिसकी गारंटी संविधान के तहत दी गई है। गौरतलब है कि राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी के खिलाफ सोशल मीडिया पर उत्तेजक गीत के साथ एक संपादित वीडियो पोस्ट करने के लिए गुजरात के जामनगर में मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोप यह था कि गाने के बोल उत्तेजक, राष्ट्रीय एकता के लिए हानिकारक और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले हैं। मामले की सुनवाई के बाद कथित ‘भड़काऊ’ कविता को लेकर दर्ज प्राथमिकी को रद्द करते हुए अदालत ने कहा कि साहित्य, जिसमें कविता और नाटक, फिल्में, मंचीय कार्यक्रम जैसे स्टैंड-अप हास्य, तंज और कला शामिल हैं, जीवन को और अधिक सार्थक बनाते हैं। पीठ ने यह अहम टिप्पणी भी की कि हमारे गणतंत्र के पचहत्तर वर्ष के बाद भी हम इतने कमजोर नहीं दिख सकते कि सिर्फ एक कविता, कला या मनोरंजन के किसी भी रूप के प्रदर्शन से समुदायों के बीच दुश्मनी या घृणा पैदा होने का आरोप लगाया जा सकता है। जाहिर है, अभिव्यक्ति पर बंदिश के लिए जिस तरह की परिस्थितियां रची जाती हैं, पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह की चुनौतियां देखी जा रही हैं, वे देश में लोकतंत्र के लिए आखिरकार नुकसानदेह साबित होंगी और अदालत ने इसी को लेकर अपनी फिक्र जताई है। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि कोई भी लोकतंत्र तभी और ज्यादा मजबूत बनता है, जब उसमें अलग-अलग विचारों के प्रति भिन्न समुदायों के भीतर सहिष्णुता के लिए पर्याप्त जगह होती है। यों भी संविधान सभी नागरिकों को भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मौलिक अधिकार प्रदान करता है। खासतौर पर बौद्धिक समाज अपने दायरे में किसी विचार के प्रति समर्थन या विरोध व्यक्त करने के लिए कई बार अलग-अलग रचनात्मक विधाओं का सहारा लेता है। उसमें कानून और संविधान के तहत मिली आजादी के दायरे में वैसा आलोचनात्मक स्वर भी हो सकता है, जो किसी न किसी रूप में देश में लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करे। अफसोस की बात है कि कई बार शब्दों में निहित संदेशों और प्रभाव को वैसे लोगों के आग्रहों के आधार पर देखने की कोशिश की जाती है, जो नाहक ही असुरक्षाबोध से घिरे रहते हैं और किसी स्वस्थ आलोचना को भी अपने लिए खतरा मानते हैं। अगर इस तरह के अभिव्यक्तियों को दबाने के प्रयास किए जाएंगे तो वह न केवल एक स्वतंत्र समाज के विकास में बाधक बनेगा, बल्कि इससे देश के लोकतांत्रिक मूल्य भी कमजोर होंगे।

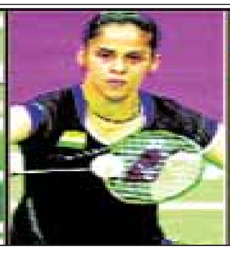

जोकोविच को हरा जैकब ने जीता मियामी ओपन

यह खिताब जीतने वाले सबसे युवा टेनिस खिलाड़ी, अपना पहला ATP टाइटल भी हासिल किया

मेड्रिड, एजेंसी। चेक रिपब्लिक के टेनिस खिलाड़ी जैकब मेनसिक ने सोमवार को मियामी ओपन टाइटल जीत लिया है। जैकब यह टाइटल जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी हैं। ये 19 साल के जैकब की पहली एटीपी ट्रॉफी भी है। उन्होंने फाइनल में पहली सीड सर्बिया के नोवाक जोकोविच को 7-6 (4), 7-6 (4) से हराया।

उन्हें 9.4 करोड़ की इनाम राशि मिली। इससे पहले मेनसिक को पिछले साल अक्टूबर में शंघाई मास्टर्स में तीन सेटों से जोकोविच से हार मिली थी। मेनसिक ने टाइटल जीतने के बाद कहा, ÷जोकोविच के खिलाफ मैं यह मैच बहुत नर्वस होकर खेला था।÷

नोवाक जोकोविच मियामी ओपन का फाइनल इस बार हार गए हैं। जोकोविच इस टाइटल को 6 बार जीत चुके हैं। जब 2007 में उन्होंने पहली बार ये ट्रॉफी जीती थी तब मेनसिक केवल 2 साल के थे।

100 ATP टाइटल चूक गए जोकोविच

37 साल के जोकोविच मास्टर्स 1000 में शामिल मियामी ओपन के फाइनल में पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए हैं। अगर वे फाइनल जीत जाते तो यह उनका 100वां प्रोफेशनल एटीपी टाइटल होता।

जोकोविच ने अभी तक 99 इंटरनेशनल टाइटल जीते है। वहीं अमेरिका के जिमी कोनर्स (109) और स्विस खिलाड़ी रोजर फेडरर (103) केवल दो ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 100 का आंकड़ा पार किया है।

फुटबॉल रेफरी ने कोच को जड़ी कराटे किक, वीडियो हुई वायरल

अंकैश, पेरू, एजेंसी। कोपा पेरू लीग मैच के दौरान रेफरी लुइस एलेग्रे ने हारने वाली टीम के कोच मैग्डेलेना सीईडीईसी को कराटे किक मारकर बेहोश कर दिया। कोच मैग्डेलेना रेफरी पर प्लास्टिक की बोतल से हमला करने आए थे। स्पोर्ट हुआक्किला के खिलाफ मैच के 82वें मिनट में हुई इस घटना ने दुनिया भर के दर्शकों और फुटबॉल प्रशंसकों को हैरत में डाल दिया है। दरअसल, एलेग्रे ने अपने लाइनमैन के इशारे पर मैग्डेलेना सीईडीईसी बेंच के एक सदस्य को लाल कार्ड दिखाया था। इस पर तनाव इतना बढ़ गया कि कोचिंग स्टाफ का एक सदस्य प्लास्टिक की बोतल लेकर मैदान पर आया और रेफरी की ओर भागा। एलेग्रे ने यह देखकर दाहिने पैर से कराटे किक लगाई, जो कोच के चेहरे पर लगी और वह वहीं जमीन पर गिर गया। घटनाक्रम के बाद गुस्साए खिलाड़ियों ने एलेग्रे और उसके लाइनमैन को घेर लिया, जिससे व्यवस्था बहाल करने के लिए पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा। किक खाया

कोच इसके बाद भी हमले करने को तत्पर रहा। मामला बिगड़ा तो मैच को स्थगित कर दिया गया। इस विवाद की फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है, जिससे रेफरी की सुरक्षा और मैदान पर अनुशासन को लेकर गरमागरम बहस छिड़ गई है। इस दौरान एलेग्रे के मार्शल आर्ट कौशल की कुछ लोगों ने प्रशंसा की है, लेकिन रेफरी और कोच दोनों के लिए संभावित अनुशासनात्मक कार्रवाई के बारे में सवाल बने हुए हैं।

रियान पराग पर 12 लाख रुपए का जुर्माना

चेन्नई के खिलाफ स्लो ओवर रेट की सजा मिली

राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग पर स्लो ओवर रेट के लिए BCCI ने 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। RR ने 30 मार्च को गुवाहाटी में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ सीजन का 11वां मैच खेला था। इसमें राजस्थान की टीम दूसरी पारी में फिल्डिंग करने उतरी थी। टीम निर्धारित समय में 20 ओवर नहीं फेंक पाई थी। इसके बाद भी राजस्थान ने अपनी पहली जीत दर्ज कर ली थी। टीम ने CSK को 6 रन से हराया था।

हार्दिक पांड्या पर भी लगा था जुर्माना यह IPL 2025 का दूसरा स्लो ओवर रेट का मामला है। इससे पहले मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या पर भी गुजरात टाइटंस के खिलाफ इसी वजह से 12 लाख का फाइन लगाया गया था। इसी वजह से उनकी टीम को मैच के आखरी ओवर में 30 यार्ड सर्कल में एक फील्डर ज्यादा रखना पड़ा था।

अब कप्तान पर स्लो ओवर रेट के कारण नहीं लगेगा मैच बैन 18वें सीजन से BCCI ने कप्तान पर मैच का बैन लगाने वाले नियम को हटा दिया है। अब स्लो ओवर रेट के कारण टीम के कप्तान पर प्रतिबंध नहीं लगाया

जाएगा। अब केवल मैच फीस का फाइन और फीलि्डंग प्रतिबंध ही लागू किए जा रहे हैं।

रियान पराग की कप्तानी में पहली जीत मिली राजस्थान रॉयल्स ने ढ्ढक्क 2025 में अपनी पहली जीत दर्ज की। टीम को इससे पहले शुरुआती दोनों मैचों में हार का सामना करना पड़ा था। टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए ष्टस्य के सामने 183 रन का लक्ष्य रखा। जवाब में चेन्नई की टीम 176 रन ही बना सकी।

बिहार के ऐतिहासिक शहर राजगीर में होगा पुरुष हॉकी एशिया कप

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार के ऐतिहासिक शहर राजगीर में होने वाले पुरुष एशिया कप 2025 के लिए हॉकी इंडिया और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण ने सोमवार को एक समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए। राजगीर के हॉकी स्टेडियम में 29 अगस्त से 7 सितंबर तक होने वाला

यह टूर्नामेंट बेल्जियम और नीदरलैंड में 2026 में आयोजित होने वाले एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप के लिए क्वालीफाइंग प्रतियोगिता है। इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट के 12वें संस्करण में भारत, पाकिस्तान, जापान, कोरिया, चीन और मलेशिया सहित आठ टीमें हिस्सा लेंगी और शेष दो टीमें क्वालीफाइंग टूर्नामेंट एएचएफ कप के जरिए अपना स्थान सुरक्षित करने का प्रयास करेंगी। इस टूर्नामेंट को लेकर हॉकी इंडिया ने आज बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के साथ एक समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर बिहार के खेल विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. बी राजेंद्र ने राजगीर की मेजबानी को लेकर कहा, 'हॉकी इंडिया और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर बिहार के प्रमुख खेल स्थल बनने की यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है। राजगीर में हीरो एशिया कप 2025 की मेजबानी करना हमारे राज्य के लिए गर्व का क्षण है और हम टूर्नामेंट के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की ने कहा, 'राजगीर में हीरो एशिया कप 2025 की मेजबानी भारतीय हॉकी के लिए एक और महत्वपूर्ण कदम है।

पहलवान योगेश्वर दत्त का विनेश फोगाट पर निशानाः बोले- मुंह पर मारने की बात वाले गिड़गिड़ा रहे; सरकार ने 4 करोड़ रूपए का ऑफर दिया

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा सरकार के कांग्रेस विधायक विनेश फोगाट को ऑफर मिलने के बाद रेसलर योगेश्वर दत्त ने तंज कसा है। उन्होंने कांग्रेस विधायक और रेसलिंग से संन्यास ले चुकी विनेश फोगाट का नाम लिए बिना सोशल मीडिया प्लेटफार्म ङ्ग पर लिखा है, ÷समय बहुत बलवान होता है। अहंकार में आकर सम्मान राशि को सरकार के मुंह पर मारने की बात करने वाले आज उसी राशि (पैसे) को पाने के लिए विधानसभा में गिड़गिड़ा रहे हैं।÷ दरअसल, विनेश फोगाट ने विधानसभा के बजट सत्र में अपने सम्मान को लेकर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के ऐलान का मुद्दा उठाया था। उन्होंने सैनी को कहा था कि आपके ऐलान के 8 महीने बाद भी उन्हें पुरस्कार की राशि नहीं मिली है।

CM ने कहा था- सिल्वर मेडल का सम्मान देंगे

विधानसभा के बजट सत्र के दौरान कांग्रेस विधायक विनेश फोगाट अपने गांव में बने स्टेडियम में बिजली, पानी और कोच की सुविधा नहीं होने का मुद्दा उठा रही थीं। ऐसे में बीजेपी के कुछ विधायकों ने उनके दावे को गलत बताया। इसके बाद विनेश ने सीएम सैनी से ही सवाल कर दिया।

विनेश फोगाट ने कहा, ÷मुख्यमंत्री ने ऐलान किया था कि उन्हें सम्मान दिया जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। विनेश ने कहा, जब मैं पेरिस गई तो फाइनल में पहुंची। उसके बाद जो हुआ वो परमात्मा की मर्जी थी, और मैंने उसे स्वीकार कर लिया है। उस समय कई बातें की गईं, हमारे सीएम ने ऐलान किया था कि विनेश हमारी बेटी है और उसे सिल्वर मेडल का सम्मान दिया जाएगा।÷

उत्तर प्रदेश की अनदेखी के बाद जीशान ने IPL में छोड़ी छाप

नई दिल्ली, एजेंसी। जीशान अंसारी 2016 में 16 साल की उम्र में भारतीय अंडर-19 विश्व कप टीम के सबसे कम उम्र के सदस्य थे जिस टीम के कई सदस्यों ने बाद में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया। ऋषभ पंत, ईशान किशन, वाशिंगटन सुंदर, सरफराज खान, आवेश खान और खलील अहमद जहां अगले स्तर पर पहुंचने के लिए प्रयास कर रहे थे तो वहीं जीशान गुमनामी में खो गए। तब से उन्होंने उत्तर प्रदेश के लिए सिर्फ पांच रणजी ट्रॉफी मैच और एक सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी मुकाबला खेला है। लखनऊ के हजरतगंज का यह लेग स्पिनर उस टीम में आकर्षण का केंद्र नहीं था जिसके छह खिलाड़ियों ने बाद में विभिन्न प्रारूप में भारत की सीनियर टीम की ओर से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला। वर्षों की गुमनामी के बाद रविवार की दोपहर अब 25 वर्षीय और बेहतर कद-काठी वाले अंसारी ने आईपीएल में पदार्पण करते हुए फाफ डु प्लेसिस, जेक फ्रेजर-मैकगर्क और लोकेश राहुल जैसे उम्दा बल्लेबाजों को आउट किया लेकिन उनकी टीम सनराइजर्स को हार का सामना करना पड़ा। जीशान गेंद को फ्लाइट करने से नहीं डरते और इससे पूर्व अंडर-19 भारतीय चयनकर्ता और उत्तर

प्रदेश के दिग्गज ज्ञानेंद्र पांडे उस समय प्रभावित हुए थे। उन्हें जूनियर राष्ट्रीय टीम के लिए चुना गया था। भारत के लिए 1999 में दो एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय खेलने वाले पांडे ने कहा, 'उसे ईद से पहले ईदी मिल गई। वह काफी कड़ी मेहनत करने वाला गेंदबाज है। मैं इस बात में नहीं पड़ना चाहता कि उन्होंने इतने वर्षों में घरेलू क्रिकेट में उत्तर प्रदेश के लिए अधिक मैच क्यों नहीं खेले लेकिन वह मेरठ मैवरिक्स के लिए यूपी टी20 लीग में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज थे और इसी कारण सनराइजर्स हैदराबाद के स्काउट्स ने उन्हें चुना। हजरतगंज में एक दर्जी के बेटे जीशान ने 5 रणजी मैच में 17 विकेट लिए जो कि शानदार प्रदर्शन तो नहीं हैं लेकिन फिर भी 2020 से किसी भी प्रारूप में मौका नहीं मिलने से सवाल उठ सकते हैं। उत्तर प्रदेश के एक अन्य पूर्व प्रथम श्रेणी क्रिकेटर ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर कहा, 'कुलदीप (यादव) अधिकतर समय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में व्यस्त रहता था लेकिन पता नहीं क्यों हमारे कोच सुनील जोशी (भारत के पूर्व स्पिनर) को इस लड़के में कुछ खास नहीं दिखा।% उन्होंने कहा, 'उम्मीद है कि अब उसे कुछ खास मिलेगा। मेरा मानना ??है कि विप्पी (दिल्ली कैपिटल्स के विपराज निगम) और जीशान दोनों एक साथ उत्तर प्रदेश के लिए खेल सकते हैं।

लखनऊ विकास प्राधिकरण में जीशान को लगभग 12 साल की उम्र में कलाई की स्पिन का पहला पाठ पढ़ाने वाले उनके बचपन के कोच गोपाल सिंह ने कहा कि उनके शिष्य के लिए यह बहुत ही विचित्र स्थिति बन गई थी। गोपाल ने कहा, '2016 में अंडर-19 विश्व कप से वापस आने के बाद उसने रणजी ट्रॉफी खेली और अच्छा प्रदर्शन किया। अगले सत्र में उसने एक भी मैच नहीं खेला, अंडर-19 या अंडर-23 भी नहीं। उसने रणजी ट्रॉफी खेली थी इसलिए लोगों ने सोचा कि उसे अंडर-19 में वापस क्यों जाना चाहिए लेकिन फिर उसे सीनियर टीम के लिए भी नहीं चुना गया।

व्यापार

आज से लागू हो रहा बजट, 6 बड़े बदलाव

टैक्स स्लैब में बड़ी राहत, नौकरीपेशा लोगों को रूपए 75 हजार का अतिरिक्त फायदा मिलेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। नया बजट आज 1 अप्रैल 2025 से लागू हो जाएगा। यानी, 1 फरवरी को सरकार ने बजट पेश करते हुए जो ऐलान किए थे उन पर काम शुरू होगा। हालांकि, योजनाओं का फायदा कब से मिलेगा, यह योजना के प्रकार और लागू करने की प्रक्रिया पर निर्भर करेगा। आयकर छूट या सब्सिडी जैसे फायदे 1 अप्रैल 2025 से लागू हो जाते हैं, क्योंकि ये वित्तीय वर्ष के साथ जुड़े होते हैं। वहीं इन्फ्रास्ट्रक्चर और विकास परियोजनाएं, सामाजिक कल्याण योजनाओं का फायदा मिलने में समय लगता है, क्योंकि इन पर काम करने की एक लंबी प्रोसेस होती है।

6 बदलाव जो कल से लागू होंगे...

1. टैक्स स्लैब में बदलावः 20 से 24 लाख की इनकम के लिए नया स्लैब

क्या बदलाव हुआ हैः न्यू टैक्स रिजीम के तहत अब 12 लाख रुपए तक की कमाई पर कोई टैक्स नहीं देना होगा। नौकरीपेशा लोगों के लिए 75 हजार के स्टैंडर्ड डिडक्शन के साथ यह छूट 12.75 लाख रुपए हो जाएगी। न्यू टैक्स रिजीम में 20 से 24 लाख की इनकम के लिए 25% टैक्स का नया स्लैब भी शामिल किया गया है।

असर क्या होगाः पहले 30% की अधिकतम दर 15 लाख रुपए से ऊपर की आय पर लागू होती थी, लेकिन अब यह सीमा बढ़ाकर 24 लाख रुपए कर दी गई है। इससे मध्यम और उच्च-मध्यम आय वर्ग को कर में बचत होगी।

2. TDS लिमिट की सीमा बढ़ीः रूपए 6 लाख तक की रेंटल इनकम पर टैक्स नहीं

क्या बदलाव हुआ हैः कुछ भुगतानों पर TDS (टैक्स डिडक्शन एट सोर्स) की सीमा को बढ़ाया गया है...

रेंट से होने वाली इनकम पर TDS छूट दोगुनी : रेंट से होने वाली इनकम पर TDS की सीमा रूपए 2.4 लाख से बढ़कर रूपए 6 लाख हो गई है।

वरिष्ठ नागरिकों को ब्याज आय पर छूट दोगुनी : बैंक FD से ब्याज आय अर्जित करने वाले वरिष्ठ नागरिकों के लिए TDS सीमा रूपए 50 हजार से बढ़कर रूपए 1 लाख हो गई है।

प्रोफेशनल सर्विस पर TDS सीमा में बढ़ोतरीः प्रोफेशनल सर्विस पर TDS की सीमा अब 30 हजार से बढ़कर 50 हजार हो गई है।

असर क्या होगाः इससे कम आय वाले व्यक्तियों पर TDS का बोझ कम होगा और नकदी प्रवाह में सुधार होगा।

3. TCS लिमिट की सीमा बढ़ीः विदेश में पढ़ाई के लिए रूपए 10 लाख तक भेजने पर टैक्स नहीं

क्या बदलाव हुआ हैः विदेश में पढ़ाई के लिए पैसा भेजने पर टैक्स कलेक्टेड एट सोर्स (TCS) की लिमिट अब 7 लाख रुपए से बढ़कर 10 लाख रुपए हो गई है। वहीं अगर पैसा किसी

फाइनेंशियल आर्गनाइजेशन जैसे बैंक आदि से लोन लिया गया हो TCS नहीं लगेगा।

असर क्या होगाः TCS हटने से छात्रों और उनके परिवारों दोनों को फायदा होगा। पहले 7 लाख से ज्यादा कि राशि पर 0.5%-5% TCS कटता था। इससे ट्रांसफरिंग प्रोसेस थोड़ी हेक्टिक बन जाती थी। वहीं अब दूसरे छोर पर 10 लाख रुपए तक की पूरी राशि पहुंच पाएगी।

4. अपडेटेड रिटर्न भरने के लिए ज्यादा समयः 48 महीने तक दाखिल कर सकेंगे

क्या बदलाव हुआ हैः अब टैक्सपेयर्स असेसमेंट ईयर के अंत से 24 महीने के बजाय 48 महीने तक अपडेटेड रिटर्न दाखिल कर सकेंगे। इसकी कुछ शर्तें हैं...

24 से 36 महीने के बीच दाखिल रिटर्न पर 60% अतिरिक्त टैक्स।

36 से 48 महीने के बीच दाखिल रिटर्न पर 70% अतिरिक्त टैक्स।

असर क्या होगाः इससे करदाताओं को अपनी गलतियों को सुधारने के लिए अधिक समय मिलेगा। स्वैच्छिक अनुपालन भी बढ़ेगा। यानी, किसी व्यक्ति या संगठन का अपनी मर्जी से नियमों, कानूनों का पालन करना।

5. यूलिप पर कैपिटल गेन टैक्सः रूपए 2.5 लाख से ज्यादा प्रीमियम कैपिटल एसेट माना जाएगा

क्या बदलाव हुआ हैः यदि यूलिप यानी, यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान का प्रीमियम प्रति वर्ष 2.5 लाख रुपए से अधिक है, तो इसे कैपिटल एसेट माना जाएगा। ऐसे यूलिप को भुनाने से होने वाले किसी भी फायदे पर कैपिटल गेन टैक्स लगेगा। यूलिप एक ऐसा प्रोडक्ट है जिसमें प्रीमियम का एक हिस्सा शेयर बाजार में निवेश किया जाता है।

यदि इसे 12 महीने से अधिक समय तक रखा जाता है, तो इस पर लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन (LTCG) के रूप में 12.5% रूपए टैक्स लगेगा।

यदि इसे 12 महीने से कम समय तक रखा जाता है, तो इस पर शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन (STCG) के रूप में 20% टैक्स लगेगा।

असर क्या होगाः उच्च प्रीमियम वाले ULIP में निवेश करने वालों को अब टैक्स देना होगा। सरकार ने ये बदलाव हाई-इनकम टैक्स पेयर्स को यूलिप को टैक्स-फ्री इन्वेस्टमेंट इंस्ट्रूमेंट के रूप में उपयोग करने से रोकने के लिए किए हैं। यूलिप प्रीमियम का एक बड़ा हिस्सा शेयर बाजार में निवेश किया जाता है, इसलिए सरकार का तर्क था कि इसे ट्रेडिशनल इंश्योरेंस की तरह टैक्स छूट नहीं मिलनी चाहिए।

6. सस्ता-महंगाः कस्टम ड्यूटी बदलने का 150-200 प्रोडक्ट पर असर

क्या बदलाव हुआ हैः सरकार ने फरवरी में पेश किए गए बजट में कुछ प्रोडक्ट पर कस्टम ड्यूटी घटाई थी और कुछ पर बढ़ाई थी। इससे करीब 150-200 प्रोडक्ट प्रभावित होंगे। आम तौर पर वित्तीय वर्ष की शुरुआत यानी 1 अप्रैल 2025 से कस्टम ड्यूटी में हुए बदलाव लागू होते हैं।

हालांकि कुछ बदलावों की लागू होने की तारीखें केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (CBIC) के नोटिफिकेशन पर निर्भर करती हैं। जैसे, पिछले बजट में कुछ कस्टम ड्यूटी बदलाव (जैसे मोबाइल फोन और कीमती धातुओं पर) 24 जुलाई 2024 से लागू हुए थे।

असर क्या होगाः कुछ चीजें सस्ती और कुछ महंगी हो सकती है। कस्टम ड्यूटी के घटने-बढ़ने का इनडायरेक्ट असर चीजों की कीमतों पर पड़ता है।

आइटम जो सस्ते हो सकते हैं:

40 हजार डॉलर से ज्यादा कीमत या 3 हजार CC से ज्यादा की इंजन क्षमता वाली आयातित कारें।

CBU यूनिट के रूप में आयातित मोटरसाइकिलें जिनकी इंजन क्षमता 1600 CC से अधिक नहीं है।

36 लाइफ सेविंग दवाओं से कस्टम ड्यूटी हटाने से क्रिटिकल ट्रीटमेंट की कॉस्ट कम हो जाएगी।

EV सस्ते हो सकते हैं। सकार ने बैटरी मैन्युफैक्चरिंग के लिए 35 कैपिटल गुड्स की ड्यूटी हटा दी है।

मोबाइल फोन बैटरी प्रोडक्शन के लिए 28 कैपिटल गुड्स को कस्टम ड्यूटी से छूट दी गई।

आइटम जो महंगे हो सकते हैं:

स्मार्ट मीटर सौर सेल, आयातित जूते, आयातित मोमबत्तियां, आयातित नौकाएं और अन्य जहाज, PVC फ्लेक्स फिल्म्स, PVC फ्लेक्स शीट्स, PVC फ्लेक्स बैनर, निटिंग प्रोसेस से बना कपड़ा, LCD/LED टीवी

बजट में जिन योजनाओं की घोषणा हुई थी उनका फायदा कब से मिलेगा?

सामाजिक कल्याण योजनाएं जैसे किसानों के लिए नकद सहायता, महिलाओं के लिए स्कीम्स, या रोजगार योजनाओं का फायदा जून-जुलाई से मिलना शुरू हो सकता है।

सड़क, रेल, या स्कूल-हॉस्पिटल जैसी परियोजनाओं का फायदा मिलने में समय लगता है, क्योंकि इनके लिए योजना, टेंडर और निर्माण की प्रक्रिया होती है।

22 बिलियन डॉलर से जीरो तक गिरी बायजूसः बायजू रवींद्रन ने कहा - हम फिर उठेंगे, पुराने कर्मचारियों को वापस लाएंगे

मुंबई, एजेंसी। कर्ज में डूबी एडटेक कंपनी बायजूस के फाउंडर बायजू रवींद्रन ने कहा है कि वे जल्द ही कंपनी को रिलॉन्च करेंगे। रवींद्रन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर एक पोस्ट में अपनी पुरानी तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, %टूटे थे, टूटे नहीं हैं। हम फिर से उठेंगे। मुझे अपने छात्रों की आंखों की चमक याद है।

एक समय बायजूस देश का सबसे बड़ा एडटेक स्टार्टअप था। 2022 तक इसकी वैल्यू 22 बिलियन डॉलर यानी, करीब 1.88 लाख करोड़ रुपए थी, लेकिन फाइनेंशियल मिस मैनेजमेंट और अन्य समस्याओं के कारण 2024 में कंपनी की नेटवर्थ

जीरो हो गई।

बायजू ने कहा कि एक बार फिर जब हम अपनी कंपनी को रिलॉन्च करेंगे, जो मुझे लगता है कि उम्मीद से पहले ही हो जाएगा - तो विशेष रूप से हम अपने पुराने लोगों को हायर करेंगे। मेरा अति-आशावादी होना कुछ लोगों को पागलपन लग सकता है, लेकिन यह मत भूलिए कि नंबर एक बनने के लिए आपको अलग और अजीब होना पड़ता है।

कुछ भी उतना अच्छा नहीं होता जितना लगता है, न ही उतना बुरा जितना आपको विश्वास दिलाया जाता है। सच्चाई आमतौर पर कहीं बीच में होती है। इसलिए मैं पिछले 20 सालों के बारे में बात करने आया हूं- अच्छे 17, बुरे 2 और बदसूरत 1, कोई फिल्टर नहीं, केवल तथ्य।

निसान-रेनो जॉइंट वेंचर की बची हुई हिस्सेदारी खरीदेगा रेनो ग्रुपः निसान मोटर कॉर्प के साथ यह डील होगी

मुंबई, एजेंसी। रेनो ग्रुप ने सोमवार (31 मार्च) को ऐलान किया है कि वह जॉइंट वेंचर रेनो निसान ऑटोमोटिव इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (RNAIPL) की बची हुई 51% हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेगा। वर्तमान में यह हिस्सेदारी निसान मोटर कॉर्प के पास है। यह कदम उनकी पार्टनरशिप के चल रहे रिस्ट्रक्चरिंग यानी पुनर्गठन का हिस्सा है। दोनों ऑटोमेकर अपनी क्रॉस-शेयर-होल्डिंग में बदलाव करने पर भी सहमत हुए हैं, जिसके तहत अब दोनों पक्षों के पास अपनी हिस्सेदारी 15% से घटाकर 10% करने का ऑप्शन होगा।

यह ट्रांजैक्शन रेगुलेटरी अप्रूवल्स के अधीन है और मई 2025 के आखिरी तक पूरा होने की उम्मीद है। अधिग्रहण के बाद RNAIPL रेनो ग्रुप के फाइनेंशियल स्टेटमेंट्स में पूरी तरह से जुड़ जाएगी। इसके साथ ही निसान की इंडिया यूनिट की पूरी 100% हिस्सेदारी रेनो ग्रुप हासिल कर लेगा।

निसान में अपनी 18.66%

हिस्सेदारी बनाए रखेगा रेनॉल्ट

रेनो एक फ्रांसीसी ट्रस्ट के जरिए निसान में अपनी 18.66% हिस्सेदारी बनाए रखेगा। जुलाई 2023 में साइन किए गए निवेश समझौते को समाप्त करते हुए निसान को एम्पीयर में इन्वेस्ट करने के अपने कमिटमेंट से मुक्त कर दिया जाएगा।

रेनो ग्रुप को निसान के प्रदर्शन में सुधार करने में दिलचस्पी

रेनो ग्रुप के CEO लुका डी मेओ ने कहा, अलायंस में निसान के लॉन्ग-टर्म पार्टनर और इसके मुख्य शेयरहोल्डर के रूप में रेनो ग्रुप को निसान के प्रदर्शन में सुधार करने में गहरी दिलचस्पी है।

अमेजन-नोकिया के बीच पेटेंट विवाद सुलझाः दोनों कंपनियों ने एक दूसरे के खिलाफ मुकदमे वापस लिए; वीडियो टेक्नोलॉजी पेटेंट पर मतभेद था

मुंबई, एजेंसी। फिनलैंड की टेक कंपनी नोकिया ने अमेजन के साथ वीडियो टेक्नोलॉजी से जुड़ा पेटेंट विवाद सुलझा लिया है। सोमवार को नोकिया ने बताया कि दोनों कंपनियों के बीच एक पेटेंट समझौता हुआ है। इसके तहत अमेजन अब स्ट्रीमिंग सर्विसेज और डिवाइसों में नोकिया के वीडियो पेटेंट्स का इस्तेमाल कर पाएगा। इस समझौते के बाद दोनों कंपनियों ने एक दूसरे के खिलाफ दायर मुकदमे वापस ले लिए हैं। हालांकि कंपनियों ने समझौते की शर्तें गुप्त रखी हैं। विवाद की शुरुआत अक्टूबर 2023 में हुई थी। तब नोकिया ने अमेजन पर यूके, जर्मनी, भारत, अमेरिका और यूरोप के पेटेंट कोर्ट में केस दायर किया था। अमेजन पर प्राइम वीडियो और डिवाइसों में नोकिया के वीडियो कंप्रेशन, कंटेंट डिलीवरी, रिकमेंडेशन और हार्डवेयर से जुड़े पेटेंट्स का बिना अनुमति इस्तेमाल का आरोप था।

जल तथा जलस्त्रोतों का संरक्षण एवं संवर्धन सभी की जिम्मेदारी

- जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ में जल गंगा संवर्धन अभियान का हुआ शुभारंभ

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। जिले के जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ के ग्राम पंचायत विलासपुर में रविवार को जल गंगा संवर्धन अभियान का जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ के पूर्व अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम, जिला पंचायत सदस्य भुवनेश्वरी देवी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने शुभारंभ किया।

कार्यक्रम में जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ के पूर्व अध्यक्ष हीरा सिंह

श्याम ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश भर में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत अनूपपुर जिले में 30 मार्च से 30 जून तक यह अभियान चलाया जाएगा। यह अभियान जल तथा जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु चलाया जा रहा है।

उन्होंने सभी से अभियान में सहभागिता करने की अपील की। शुभारंभ कार्यक्रम में लोगों को जल के संरक्षण एवं संवर्धन का महत्व बताया गया तथा जल के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु शपथ भी दिलाई गई तथा अभियान के अंतर्गत किए जाने वाले कार्यों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ गणेश पाण्डेय,एपीओ सहित अन्य जनप्रतिनिधि व अधिकारी एवं आमजन उपस्थित थे।

पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष कपूर चंद जैन की स्मृति में आयोजित ओपन छात्रवृत्ति प्रतियोगिता के सफल परीक्षार्थियों को 1.20 लाख के इनाम बांटे गए

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-मुरैना/अम्बाह। श्री टेकचंद जैन विद्यापीठ समिति ने प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करने के लिए ओपन छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन किया था यह परीक्षा पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष स्व. कपूरचंद जैन एडवोकेट की स्मृति में कराई गई। परीक्षा का परिणाम घोषित किया गया। प्रावीण्य सूची में शामिल छात्रों को प्रमाण पत्र और कुल 1 लाख 20 हजार रुपए की नगद राशि दी गई। प्रतियोगिता पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष जिनेश जैन द्वारा अपने पिता स्वर्गीय कपूर चंद जैन की स्मृति में प्रतिवर्ष छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करने के लिए एवं छात्रवृत्ति के जरिए उनकी आर्थिक सहायता हेतु आयोजित की जाती है जिसमें लगभग 12 छात्र-छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाता है इस वर्ष सभी जनवरी माह में यह प्रतियोगिता आयोजित की गई थी जिसमें लगभग 2000 से अधिक छात्र-छात्राओं ने भाग लिया था इसके सफल परीक्षार्थियों को नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया

समारोह की अध्यक्षता समाजसेवी और पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष जिनेश जैन

ने की। उन्होंने छात्रों को मेहनत और अनुशासन से आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि स्व. कपूरचंद जैन ने नगर में कई विकास कार्य कराए। तीर्थ क्षेत्र के विकास में भी उनका योगदान अहम रहा।

जिनेश जैन ने भावुक होकर अपने पिता की स्मृतियों को साझा किया। उन्होंने बताया कि तीन साल पहले स्व. कपूरचंद जैन की स्मृति में हर माह निःशुल्क नेत्र शिविर लगाने का निर्णय लिया गया था। अब तक इन शिविरों में करीब 4 हजार मोतियाबिंद ऑपरेशन हो चुके हैं। हर साल सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता कर प्रतिभाशाली छात्रों को नकद पुरस्कार भी दिए जाते हैं।

भाजपा नेता बच्चूलाल गुप्ता ने कहा कि स्व. कपूरचंद जैन ने शिक्षा के क्षेत्र में कई उत्कृष्ट संस्थान स्थापित किए। इससे स्थानीय बच्चों को बेहतर शिक्षा मिली। पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष शैलेंद्र सिंह तोमर टिल्लू ने जैन तीर्थ क्षेत्र के विकास में उनके योगदान को याद किया। श्री तोमर ने कहा कि अंचल में बड़ी संख्या में प्रतिभाशाली छात्र-छात्राएं हैं उन छात्र-छात्राओं को अगर अगर बढ़ने का मौका दिया जाता है तो आगे चलकर वह सफलता के नए मुकाम हासिल कर सकते हैं ऐसे छात्र-छात्राओं के लिए यह आयोजन मील का पत्थर साबित होता है जो उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है, वहीं परीक्षा में चार ग्रुप बनाए गए थे। ग्रुप ए में विवेक कुमार पहले, दीपक गुप्ता दूसरे और मनीष कुमार तीसरे स्थान पर रहे। ग्रुप बी में परशुराम सिंह पहले, उदित कुमार दूसरे और गजेंद्र सिंह व उदयभान सिंह संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे। ग्रुप सी में दिलीप गुप्ता पहले, कृपालु शर्मा दूसरे और कमलकिशोर कुशवाह व रामकिशन राठौर संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे। ग्रुप डी में मनोज सिंह तोमर पहले, महेंद्र सिंह दूसरे और अशोक शर्मा तीसरे स्थान पर रहे। सभी सफल छात्रों को नगद राशि देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में भाजपा नेता बच्चूलाल गुप्ता, शैलेन्द्र सिंह तोमर, समाजसेवी बंटी गुधैनिया, संतोष वर्मा, आलोक प्रताप सिंह तोमर, राजकुमार जैन, इन्द्रेश शर्मा और अतिराज सिंह तोमर सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

थाना-भालूमाड़ा पुलिस ने जुआरियों के विरुद्ध की गई कार्यवाही

अनूपपुर। पुलिस अधीक्षक मोती उररहमान के निर्देशन मे,अति. पुलिस अधीक्षक इसरार मन्सूरी तथा अनु.अधि. कोतमा (पुलिस) आरती शाक्य के मार्ग दर्शन मे थाना भालूमाड़ा की टीम द्वारा मुखबिर की सूचना मिलने पर बाडीखार के जंगल मे घेराबंदी कर रेड कार्यवाही किया गया तो जुआडियान 52 ताश के पत्तो पर रुपयो पैसो से हार- जीत का दाव लगाकर जुआ खेलत रहे थे जिन्हे स्टाफ के मदद से आरोपी जुआडियान मनोज कुमार पिता स्व. अमरनाथ दीक्षित उम्र 60 वर्ष निवासी वार्ड क्र. 18 सुन्दर नगरी भालूमाडा एवं सुशील कुमार उर्फ चुन्ना पिता शेषमणि तिवारी उम्र 46 वर्ष निवासी वार्ड क्र. 18

सुन्दर नगरी भालूमाडा को पकडा गया जिनके कब्जे से 52 ताश के पत्ते व 8040 रुपये एवं 03 अदद मोटर सायकल जप्त किया गया एवं तीन जुआडियान पुलिस को देखकर जंगल का फायदा उठाकर भाग गये उनके विरुद्ध के अप.क्र. 146/2025 धारा 13 जुआ एक्ट का अपराध कायम कर विवेचना मे लिया गया ।

जप्त शुदा मशरूका - नगदी 8040 रुपये एवं 52 तास के पत्ते

नाम आरोपीगण- 1.मनोज कुमार पिता स्व. अमरनाथ दीक्षित उम्र 60 वर्ष 2. सुशील कुमार उर्फ चुन्ना पिता शेषमणि तिवारी उम्र 46 वर्ष दोनो निवासी वार्ड क्रमांक 18 सुन्दर नगरी भालूमाडा तीन अन्य फर आरोपी अहम भूमिका थाना प्रभारी भालूमाडा निरी संजय खलको सहित अन्य पुलिस कर्मियों सराहनीय भूमिका रही है।

महाविनाश से बचना है तो अपनाएं महावीर का मार्ग: विगुण सागर

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-मुरैना/अम्बाह। जैन संत विगुण सागर जी महाराज ने परेड स्थित जैन धर्मशाला में श्रद्धालुओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जैन धर्म के सिद्धांतों पर चलकर आत्म कल्याण संभव है। सभी को धर्म के मूल सिद्धांतों का पालन करना चाहिए।

संत श्री ने कहा कि ध्यान और धर्म के सिद्धांत जीवन को सही दिशा में ले जाते हैं। इनसे मानसिक, शारीरिक और आत्मिक विकास होता है। उन्होंने कहा कि जैन धर्म का पालन कर व्यक्ति

जीवन को संतुलित और शुद्ध बना सकता है। यही आत्मज्ञान और मुक्ति की ओर ले जाता है।

महाराज ने कहा कि अगर दुनिया को महाविनाश से बचाना है तो महावीर के रास्ते को अपनाना होगा। हमें महावीर और उनकी अहिंसा को जानना और जीना होगा। आज दुनिया हिंसा के हथियारों से भरी पड़ी है। ये एक दिन महाविनाश का कारण बनेंगे। इससे बचने का एकमात्र उपाय महावीर का मार्ग है। उनकी अहिंसा, समरसता और विश्व मैत्री से ही समाधान संभव है।

9 जोड़ों ने माँ राज राजेश्वरी ललिताम्बा त्रिपुर सुंदरी महायज्ञ में लिया हिस्सा

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-देवास। हिन्दू नववर्ष एवं चैत्रीय नवरात्रि के शुभ अवसर पर माँ राज राजेश्वरी ललिताम्बा त्रिपुर सुंदरी का नौ दिवसीय महायज्ञ श्री राजराजेश्वरी सिद्धीदात्री मातेश्वरी मंदिर, कामिका महादेव समिति के तत्वाधान में जवाहर नगर स्थित नेताजी सुभाषचंद्र बोस ग्राउण्ड पर चल रहा है। आयोजन समिति के संयोजक गुरुप्रीत सिंग ईशर एवं अध्यक्ष ठा. संजय सिंह चौहान ने बताया कि नौ दिवसीय महायज्ञ के प्रथम दिवस कुल 9 जोडे शामिल हुए। यज्ञाचार्य पं. शिव कुमार शास्त्री माँ कामाख्या पीठ, असम एवं पं. बालकृष्णाचार्य श्री धाम अयोध्या द्वारा विधि-विधान से महायज्ञ में आहुतियां दिलाई गई। 7 अप्रैल तक चलने वाले महायज्ञ के दौरान प्रतिदिन मण्डल पूजन, ललिताम्बा राज राजेश्वरी श्लोक पाठ प्रातः 8 से 12 बजे तक एवं यज्ञ दोपहर 3 से सायं 7 बजे तक चल रहा है। तत्पश्चात संगीतमय महाआरती हो रही है। नौ दिवसीय महायज्ञ में आकर्षण का केन्द्र 100 फीट की गुफा भी तैयार की गई है, जिसमें प्रवेश करके भक्त माँ राजराजेश्वरी सिद्धीदात्री के दर्शन कर कार्यक्रम स्थल में प्रवेश कर रहे है। रात्रि 8 बजे बच्चों एवं शहरवासियों के मनोरंजन हेतु आनंद मेला लग रहा है। जिसमें कई झूलों के साथ चाट-चौपाटी का आनंद लोग ले रहे है। महायज्ञ में यजमान बनने हेतु यज्ञस्थल पर जाकर सम्पर्क किया जा सकता है। आयोजन समिति के हेमंत बिसोरे, अंकित सिंह, शंकर भोले, पंकज मतकर, मनीष पांचाल, हेमंत उपाध्याय, भावेश पालीवाल, तुफान सिंह पवार (फौजी), मेहरबान सिंह सोलंकी एवं मनीष कुशवाह आदि ने नगर की धर्मप्रेमी भक्तों से अपील की है कि नौ दिवसीय महायज्ञ, मातारानी के दर्शन एवं आनंद मेले में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर सफल बनाए।

इस बार मैं अपने शो "मैं दिल तुम धड़कन" के परिवार के साथ ईद की नई यादें संजोऊँगाः अभिनेता ज़ोहेब सिद्दीकी

मुंबई। जैसे-जैसे ईद का चाँद देखने का इंतज़ार कम होता जा रहा है, वैसे-वैसे इस दिन को मनाने को लेकर उत्साह बढ़ता जा रहा है। रमज़ान का महीना पूरे समर्पण और इबादत के साथ बिताने के बाद, लोग ईद की तैयारियों में व्यस्त हैं जैसे नए कपड़ों की खरीदारी, लज़ीज़ दावतों की योजना और इस खास दिन को परफेक्ट बनाने की कोशिश। ईद की खुशी वाकई बेमिसाल होती है! इसी बीच, शेमारू उमंग के शो "मैं दिल तुम धड़कन" में केशव का किरदार निभाने वाले अभिनेता ज़ोहेब सिद्दीकी ने रमज़ान के अपने अनुभव और इस साल ईद को लेकर अपनी उत्सुकता साझा की।

इस त्यौहार के महत्व पर बात करते हुए उन्होंने कहा, 'ईद मेरे लिए सिर्फ एक त्यौहार नहीं, बल्कि एक खास एहसास है। यह दिन आत्म-संतुष्टि, विनम्रता और एकजुटता का एहसास कराता है। रमज़ान के पूरे महीने रोज़े, इबादत और आत्मचिंतन के बाद, ईद का दिन एक खूबसूरत इनाम जैसा लगता है, जो प्यार, खुशियां और लज़ीज़ खाने से भरपूर होता है! यह साल मेरे लिए और भी खास रहा क्योंकि मैंने अपने "मैं दिल तुम धड़कन" शो के परिवार के साथ रमज़ान का महीना बिताया। हर इफ्तार खुशी से भरा था, जहाँ हर कोई कुछ खास लेकर आते थे और हम मिलकर एक परिवार की तरह इसे साझा करते थे। सच कहूँ तो, यह मेरे लिए घर से दूर, घर

जैसा अनुभव रहा। रमज़ान हमें अनुशासन, सहानुभूति और आत्मबल सिखाता है और ईद इन सभी मूल्यों के जश्न का सबसे खूबसूरत मौका होता है। यह मौका अपने अच्छे कर्मों को गिनने, विनम्रता लाने और जरूरतमंदों की मदद करने का होता है।'

ज़ोहेब ने आगे बताया कि वह आठ साल की उम्र से रोज़े रख रहे हैं और उन्हें आज भी ईद का बेसब्री से इंतज़ार करने का एहसास याद है। वह कहते हैं, 'सुबह माँ के हाथों से बनी शीरखुर्मा की खुशबू से जागना, नए कपड़े पहनना, परिवार के साथ नमाज़ के लिए मस्जिद जाना और पूरे दिन अपनों के साथ खुशियाँ मनाना, मेरे लिए यह सभी यादें अनमोल हैं। आज भी जब माँ के हाथ का शीरखुर्मा पहली बार चखता हूं, तो बचपन की सारी यादें ताज़ा हो जाती हैं। इस साल, मैं अपने "मैं दिल तुम धड़कन" परिवार के साथ भी इस खुशी को साझा करने वाला हूं, ताकि वे भी मेरे इस अनमोल मौके की मिठास का अनुभव कर सकें। यह एक छोटी-सी कोशिश, हमारे बीच बने इस खूबसूरत रिश्ते को और मजबूत करने की है।'

ईद का त्यौहार न केवल नई यादों को संजोता है बल्कि पारंपरिक भावनाओं को भी जगाता है। ज़ोहेब इस बार अपने ऑन-स्क्रीन परिवार के साथ भी इस जश्न को खास बनाने के लिए तैयार हैं। तो, उन्हें केशव के रूप में देखने के लिए जुड़िए "मैं दिल तुम धड़कन" शो से, हर सोमवार से शनिवार, रात 8:30 बजे, सिर्फ शेमारू उमंग पर!

कैलादेवी मंदिर उत्सव समिति ने किया रायसिंह सेंधव का सम्मान

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-देवास। चैत्र नवरात्रि पर्व पर कैलादेवी मंदिर उत्सव समिति द्वारा 9 दिवसीय अनुष्ठान एवं ख्यात भागवताचार्य वंदना श्री वृंदावनन के श्रीमुख से होने वाली नाट्यमय श्रीमद भागवत कथा के आयोजन को कार्यकर्ता की बैठक संपन्न हुई। बैठक में कैलादेवी मंदिर समिति ने समिति के संयोजक रायसिंह सेंधव को भाजपा के जिलाध्यक्ष बनने पर आयोजक मनुलाल गर्ग, दीपक गर्ग, अजब सिंह ठाकुर, समिति अध्यक्ष एवं महापौर प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल, देवकृष्ण व्यास, राजेश यादव, ओ.पी. तापडिया, रमण शर्मा, अनामिका गर्ग, चेतन उपाध्याय, मोहन

श्रीवास्तव एवं कार्यकर्ताओं ने सम्मान किया। इस अवसर पर कथा प्रचार हेतु बैनर एवं पंपलेट का विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया।

कैलादेवी मंदिर पर गणगौर उत्सव मनाया

अग्रवाल समाज द्वारा कैलादेवी मंदिर पर गणगौर उत्सव का आयोजन विगत 16 दिवस से किया जा रहा है, जिसमें सुहागन महिलाएं एवं कुवारी कन्याएं गणगौर माता का पूजन करती है। अनामिका गर्ग ने कि इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाओं ने उपस्थित होकर गणगौर माता की पूजा की और गणगौर के गीत गाकर उत्सव मनाया।

लाइट्स, कैमरा, प्रैंक! सोनी सब के सितारों ने बताए अपने सबसे मजेदार अप्रैल फूल्स डे के किस्से

मुंबई। अप्रैल फूल्स डे हंसी-मजाक और मस्ती का दिन है! एक अप्रैल को मनाया जाने वाला यह दिन शरारत भरे मजाक और हल्के-फुल्के मनोरंजन का मौका होता है। इसी मौके पर सोनी सब के सितारों ने अपने सेट पर किए गए मज़ेदार प्रैंक्स और बैकस्टेज मस्ती के किस्से साझा किए!

'वागले की दुनिया' में सखी की भूमिका निभा रही चिन्मयी साल्वी ने कहा, 'अप्रैल फूल्स डे अपने अंदर के प्रैंकस्टर को बाहर लाने का परफेक्ट मौका है! 'वागले की दुनिया' के सेट पर हम एक-दूसरे के साथ प्रैंक करना बहुत पसंद करते हैं। एक बार, मैंने परिवा दीदी के साथ मिलकर सुमित सर को यकीन दिला दिया कि उनके लिए एक इमोशनल सीन लास्ट मिनट में जोड़ा गया है। उनकी रिहर्सल शुरू होते ही जब उन्हें एहसास हुआ कि हम

सिर्फ मजाक कर रहे थे, तो उनकी प्रतिक्रिया देखने लायक थी! शो की सबसे अच्छी बात यह है कि हम एक वास्तविक परिवार की तरह हैं, ऑन और ऑफ स्क्रीन दोनों पर!'

'पुष्पा इम्पॉसिबल' में राशि का किरदार निभा रही देशना दुग्गड़ ने कहा, 'मैं हमेशा सोचती हूँ कि मैं एक कदम आगे हूँ, लेकिन अप्रैल फूल्स डे पर मैं अतिरिक्त सतर्क रहती हूँ! सेट पर कोई भी यह कहे कि शूट कैंसिल हो गया है या लंच टाइम जल्दी हो गया है, तो समझ लीजिए कि यह भी एक प्रैंक हो सकता है! एक बार, मैंने गरिमा के साथ मिलकर अपने डायरेक्टर को यकीन दिला दिया कि मैं अपनी लाइन्स पूरी तरह से भूल गई हूँ। उनका एक्सप्रेशन देखने लायक था! प्रैंक्स की बात करें तो सेट्स पर हमने खूब मस्ती की है। यह सब मजाक था। इसी वजह से पुष्पा इम्पॉसिबल शो में काम करना मजेदार हो जाता है, भले ही शूटिंग के दिन बहुत लंबे हो। ईमानदारी से कहूं तो थोड़ी-बहुत मौज-मस्ती न हो तो जीने में क्या ही मजा रह जाएगा?'

'पुष्पा इम्पॉसिबल' में चिराग की भूमिका निभा रहे दर्शन गुर्जर ने कहा, 'अप्रैल फूल्स डे पर सेट पर हर कोई प्रैंक करने के लिए तैयार रहता है! पुष्पा इम्पॉसिबल के सेट्स पर तो यह आम बात हो गई है। एक बार, मैंने नवीन के साथ मिलकर एक क्रू मेंबर को यकीन दिला दिया कि उनका फोन टूट गया है, बस उनकी स्क्रीन वॉलपेपर को क्रैक इमेज में बदलकर! उन्हें इसे समझने में थोड़ा समय लगा, और तब तक हम खूब हंसी कर चुके थे। तो मेरी सलाह होगी कि अलर्ट रहें और किसी भी बात पर जल्दी से भरोसा न करें! हैप्पी अप्रैल फूल्स डे!'

देखिए 'तेनाली रामा', 'वागले की दुनिया' और 'पुष्पा इम्पॉसिबल' हर सोमवार से शनिवार, सिर्फ सोनी सब पर!

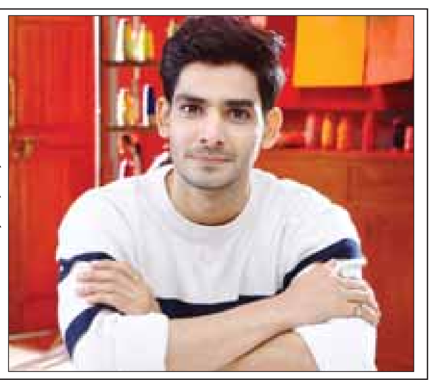

तन्मय नागर ने जॉइन किया सोनी सब का 'पुष्पा इम्पॉसिबल'; ग्रे शेड कैरेक्टर बनाकर पुष्पा और राशि की जिंदगी में मचाएंगे हलचल

मुंबई। सोनी सब का शो 'पुष्पा इम्पॉसिबल' दर्शकों को पुष्पा (करुणा पांडे) की प्रेरणादायक यात्रा से लगातार जोड़ रहा है। पुष्पा एक मजबूत और निडर महिला हैं, जो अपने दृढ़ संकल्प से जीवन की चुनौतियों का सामना करती हैं। अब कहानी में एक दिलचस्प मोड़ आने वाला है, क्योंकि अभिनेता तन्मय नागर शो में अर्जुन सिंह शेखावत की भूमिका में एंट्री कर रहे हैं। अर्जुन सिंह शेखावत प्रतिष्ठित शेखावत मसाले के वारिस हैं। उनका संबंध एक शाही परिवार से है और उनका व्यक्तित्व बेहद जटिल और बहुआयामी है। अर्जुन की शख्सियत आत्मविश्वास और आकर्षण से भरी हुई है, लेकिन इस बाहरी चमक के पीछे एक अस्थिर और अप्रत्याशित इंटेंसिटी छिपी है। उनके व्यक्तित्व को उनके सख्त और रूढ़िवादी परिवार में बिताए गए कड़वे अनुभवों ने गहराई से प्रभावित किया है। अर्जुन सिंह शेखावत की भूमिका निभा रहे तन्मय नागर ने शो से जुड़ने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा, 'मैं 'पुष्पा इम्पॉसिबल' का हिस्सा बनकर बेहद उत्साहित हूं और अर्जुन सिंह शेखावत का किरदार निभाने का मौका पाकर रोमांचित हूं। यह किरदार अब तक निभाए गए मेरे सभी किरदारों से अलग है - कई परतों वाला, गहराई से भरा और बेहद जटिल। अर्जुन की दुनिया परंपराओं और एक कठिन अतीत से बंधी है, जो उसे एक अनोखा किरदार बनाती है। वह न तो पूरी तरह हीरो है और न ही विलेन, बल्कि उसकी कमजोरियां, संघर्ष और भावनाएं उसे दर्शकों के करीब लाएंगी। आने वाले एपिसोड्स में ड्रामा, रोमांस और अप्रत्याशित ट्विस्ट्स देखने को मिलेंगे, जो सभी को बांधे रखेंगे।' देखिए 'पुष्पा इम्पॉसिबल' हर सोमवार से शुक्रवार रात 9:30 बजे सिर्फ सोनी सब पर।

खुदा की इबादत में झुके हज़ारों सिर, अमन-चैन की दुआ की

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/जौरा। नगर में ईद उल फितर के त्यौहार को आपसी सद्भावना उमंग के साथ मनाया गया। क्षेत्रीय विधायक पंकज उपाध्याय, नगर पालिका अध्यक्ष अखिल माहेश्वरी ने मुस्लिम भाइयों को इस अवसर पर मुबारकबाद भी दी। दीनी पाबंदियों को अपनाते हुए एक महीने तक रोजदारी की परंपरा का निर्वाह करने एवं पाक परवरदिगार की बंदगी में अकीदत के साथ संलग्न रहने वाले मुस्लिम समुदाय ने ईद के त्यौहार को उल्लास के साथ मनाया। 31 मार्च को ईद उल फितर के अवसर पर प्रारंभ से मुस्लिम भाइयों में उत्साह का वातावरण देखा गया। ईदगाह शाही मस्जिद जामा मस्जिद पर मुस्लिम भाइयों ने ईद की नमाज अता की। नमाज के बाद उत्साह उमंग के साथ एक-दूसरे को मुबारकबाद भी दी गई। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक पंकज उपाध्याय, नगर पालिका अध्यक्ष अखिल माहेश्वरी ने भी मुस्लिम भाइयों को तहेदिल से मुबारकबाद दी। अग्रवाल महासभा के अध्यक्ष डॉ. अशोक सिंघल, पूर्व विधायक महेश दत्त मिश्र ने भी मुस्लिम समाज भाइयों को मुबारकबाद दी। ईद के त्योहार पर एक दिन पूर्व बाजारों में खरीदारों की भीड़ देखी गई। व्यापारियों के मुताबिक उन्हें उम्मीद से ज्यादा नए कपड़ों की बिक्री भी हुई। इस अवसर पर विशेष नमाज में भागीदारी और मुबारकबादों के आदान-प्रदान के बाद मीठी सेवइयां बनाकर खाईं और खिलाए जाने की परंपरा भी बदस्तूर जारी रही। त्यौहार का सर्वाधिक उल्लास युवाओं, महिलाओं तथा बच्चों में दिखाई दिया। नगर में प्रत्येक दुकान पर मुस्लिम भाइयों द्वारा खरीदारी की भारी भीड़ भी देखी गई।

काली पट्टी बांधकर मनाई ईद

नगर में ईद के त्यौहार को मुस्लिम समाजसेवियों द्वारा उल्लास के साथ मनाया गया, लेकिन वक्फ बोर्ड प्रकरण को लेकर मुसलमान भाइयों ने काली पट्टी बांधकर विरोध स्वरूप नमाज अदा की। मुस्लिम समाजसेवियों का कहना था कि हम वक्फ बोर्ड बिल प्रकरण में विरोध स्वरूप शांति के साथ अपना संदेश सरकार को देना चाह रहे हैं, इसलिए काली पट्टी बांधकर हमने ईद की नमाज पढ़ी है।

छात्र आदित्य ने कक्षा 8वीं में प्राप्त की सेकेण्ड रैंक

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/जौरा। मध्य प्रदेश राज्य शिक्षा केंद्र के स्कूल विभाग द्वारा फरवरी-मार्च में कराई गई पांचवी एवं आठवीं की परीक्षाओं का परिणाम घोषित होने के बाद प्रतिभाशाली छात्र आदित्य-

संजय अग्रवाल ने कक्षा आठवीं में ए प्लस ग्रेड पाई है। नगर के फर्नीचर विक्रेता संजय अग्रवाल के पुत्र आदित्य अग्रवाल जो कि सीएम राइज़ स्कूल कक्षा 8 के छात्र हैं उन्होंने घोषित परीक्षा परिणाम में से सेकंड रैंक के साथ ए प्लस ग्रेड भी पाई है। प्रारंभ से ही प्रतिभावान छात्र आदित्य अग्रवाल ने कक्षा 5 में भी अपने विद्यालय का नाम पूरे अंचल में रोशन किया था। आदित्य अग्रवाल की इस सफलता पर उनके सहपाठी छात्रों ने बधाई भी दी है।

नगरा पुलिस ने किया चोरी का खुलासा, माल मशरूका बरामद

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। पुलिस अधीक्षक समीर सौरभ (भापुसे) द्वारा जिले में घटित चोरी एवं नकबजनी की घटनाओं पर अंकुश लगाने, अज्ञात आरोपियों की पतारसी एवं गिरफ्तारी एवं चोरी गए माल-मशरूका की बरामदगी हेतु सम्पूर्ण जिले में विशेष अभियान संचालित कराया जा रहा है। उक्त अभियान के तारतम्य में अति. पुलिस अधीक्षक सुरेन्द्र पाल सिंह डावर के निर्देशन एवं एसडीओपी अम्बाह रवि सिंह भदौरिया के मार्गदर्शन में थाना नगरा पुलिस व्दारा चोरी के प्रकरण में फरार चल रहे अज्ञात आरोपी को घटना के 48 घंटे के भीतर गिरफ्तार करने में सफलता हांसिल की गई। दिनांक 30.03.25 को उनि. रामकुमार गौतम थाना प्रभारी नगरा द्वारा मय हमराह फोर्स के मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर थाना हाजा के अपराध क्रमांक 21/2025 धारा 331(4), 305 बीएनएस में फरार चल रहे अज्ञात आरोपी को घटना के 48 घण्टे के भीतर भिण्ड रोड़ पोरसा से गिरफ्तार कर आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया माल-मशरूका 03 सोने की अँगूठी, 01 बृजवाला, 01 सोने की चैन मय पेडेंट, 01 मंगलसूत्र एवं 02 मोबाईल फोन कुल मशरूका कीमत करीबन 88,000/- रूपये का बरामद किया गया एवं गिरफ्तारशुदा आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष में पेश किया गया।

रोटरी कैंप में सोमवार को 10325 लोगों के हुए पंजीयन

मुरैना। जिला मुख्यालय पर रोटरी कैंप का आयोजन किया जा रहा है। यह कैंप 02 अप्रैल तक संचालित रहेगा। रोटरी के पदाधिकारियों द्वारा जानकारी दी गई है कि सोमवार 31 मार्च को रोटरी कैंप में 10325 लोगों के पंजीयन किए गए थे, जिनमें 450 की एक्स-रे, 384 के यूएसजी, 1015 के लैब टेस्ट और 6010 लोगों के विभिन्न प्रकार के टेस्ट किए गये। इसके अलावा 9 लोगों की की सर्जरी, 4 लोगों की गायनिक, 3 लोगों की प्लास्टिक सर्जरी, 4 के ईएनटी, 4 की आर्थो और 3 की आई आपरेशन किए गये।

गुर्जर समाज ने किया सर्व समाज का होली मिलन समारोह आयोजित

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। होली मिलन समारोह कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ऐदल सिंह कंसाना व विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक रघुराज सिंह कंसाना, पूर्व विधायक राकेश मावई, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आरती गुर्जर, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष हमीर सिंह पटेल, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता हरसाना, प्रदेश अध्यक्ष गुर्जर विकास संगठन वीरेंद्र हरसाना, इन सभी के द्वारा देवनारायण भगवान की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर पूजा अर्चना की उसके तत्पश्चात स्वागत भाषण तहसीलदार सिंह बैसला एवं कार्यक्रम की रूपरेखा देवेंद्र सिंह गुर्जर के द्वारा रखी गई व संचालन गजेंद्र सिंह मावई ने किया व कार्यक्रम का आभार व्यक्त जितेंद्र घुरैया ने किया। होली मिलन समारोह कार्यक्रम में सर्व समाज के लोगों ने इस कार्यक्रम की सराहना की और कहा कि ऐसा कार्यक्रम प्रतिवर्ष होना चाहिए। यह कार्यक्रम आगामी पीढ़ी के लिए एक अच्छा संदेश होगा। इस होली मिलन समारोह कार्यक्रम में हरिसिंह सिकरवार पूर्व अध्यक्ष बार एसोसिएशन के द्वारा कार्यक्रम को बहुत सुंदर व्याख्या देते हुए आयोजन समिति को 11000 रुपए से सम्मानित किया। इस अवसर पर रक्षपाल सिंह तोमर, नवल सिंह शिवहरे, अशोक यादव, नरेंद्र सिंह सिकरवार, बल्लो दंडोतिया, बालकृष्ण शर्मा, भूप सिंह रजक, अमृतलाल यादव सहित गुर्जर समाज एवं सर्व समाज के सैकड़ो लोग कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

जैन धर्म का मूल सिद्धांत अहिंसा परमो धर्मः सुधीर सक्सेना

पं. गोपालदास वरैया की 159वीं जयंती मनाई गई

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। जैन धर्म का मूल सिद्धांत अहिंसा परमो धर्म एवं जियो ओर जीने दो है । जैन धर्म के अनुयायियों के त्याग और समर्पण की भावना पाई जाती है । जैन समाज में आचार्य विद्यासागर जी एवं आचार्य ज्ञानसागर जी जैसे संत हुए हैं । गुरुनाम गुरु पंडित गोपालदास जी वरैया जैसे महान व्यक्तित्व के धनी जैसे लोगों ने जैन समाज को गौरवान्वित किया है । आज हम सभी मुरैना के जैन संस्कृत विद्यालय के संस्थापक श्री वरैया जी की 159वीं जयंती पर उन्हें याद करते हुए अपने आपको गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं । उक्त उद्गार पंडित गोपालदास वरैया जन्म जयंती समारोह में मुख्य अथिति मुरैना जिला शिक्षा अधिकारी सुधीरकुमार सक्सैना ने व्यक्त किए।

विद्यालय परिवार के उपमंत्री सुरेशचंद जैन बाबूजी द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसार भारत गौरव स्वस्तिधाम प्रणेत्री गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी के आशीर्वाद एवं निर्देशन में जैन संस्कृत विद्यालय का संचालन हो रहा है । समारोह के शुभारंभ में जिला शिक्षा अधिकारी सुधीरकुमार सक्सैना, जिला संस्कृत प्रभारी भूपेंद्र घुरैया एवं गणमान्य अतिथियों ने पंडित गोपालदास वरैया की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया । इस अवसर पर श्री गोपाल दिगंबर जैन सिद्धांत संस्कृत विद्यालय परिवार ने मुख्य अतिथि सुधीरकुमार सक्सैना जिला शिक्षा अधिकारी, भूपेंद्र घुरैया जिला संस्कृत प्रभारी को शॉल, श्रीफल एवं प्रशस्ति पत्र द्वारा सम्मानित किया । बड़ा जैन मंदिर के अध्यक्ष प्राचार्य अनिल जैन, टिकटोली के अध्यक्ष राजेंद्र भंडारी ने प्रशस्ति पत्रों का वाचन किया। जैन संस्कृत विद्यालय के संस्थापक श्री गोपालदास वरैया की 159वीं जन्म जयंती समारोह में पूर्व प्राचार्य पंडित महेन्द्रकुमार शास्त्री, विद्वत अरविंद जैन रुड़की, जवाहरलाल वरैया, प्रतिष्ठाचार्य राजेंद्र शास्त्री मंगरोनी, मुन्नीदेवी साहुला, राजेंद्र जैन वैद्यजी, ने पूज्य वरैया जी के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए अनेकों संस्मरणों के माध्यम से उनका गुणगान किया ।

इस अवसर पर विजय सिंह तोमर, मनोज जैन बरेह कार्यवाहक अध्यक्ष, उपाध्यक्ष प्रेमचंद जैन बंदना साड़ी, सुनील जैन लोहिया ग्वालियर, शेखर जैन अध्यक्ष, अमर जैन मंत्री पल्लीवाल जैन मंदिर, सुरेश चंद्र जैन बाबूजी संयुक्त मंत्री, पंकज जैन मेडिकल, मनोज नायक मीडिया प्रभारी, राजेंद्र जैन दयेरी, मुकेश जैन पलपुरा संयोजक महावीर जयंती, विनोद जैन तार, वीरेंद्र जैन कोषाध्यक्ष, रमाशंकर जैन नायक, एडवोकेट द्वारका प्रसाद जैन, राजकुमार वरैया, अजीत बरेया, राकेश जैन घी, दिलीप गंगवाल, गुलशन जैन, विमल जैन, शैलू जैन सर्राफ, अनिल जैन गढ़ी, महावीर जैन बरेथा, अनिल जैन बरेह, विजय जैन, मनीष जैन, जितेंद्र मैनेजर, श्रीमती चंद्रकांता जैन, विद्यालय के छात्रगण सहित सैकड़ों की संख्या में साधर्मी बंधुवर एवं मातृशक्ति उपस्थित थीं।

परशुराम जन्मोत्सव : 03 मई को अम्बाह में ब्राह्मण समाज निकालेगा भव्य चल समारोह

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/अम्बाह। भगवान परशुराम जन्मोत्सव कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर सर्व ब्राह्मण समाज अंबाह द्वारा परशुराम मंदिर में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्व सम्मति से यह तय किया गया कि आगामी मई माह में 03 मई को ब्राह्मण समाज द्वारा भगवान परशुराम जन्मोत्सव के अवसर पर विशाल चल समारोह निकाला जाएगा। इसको लेकर ब्राह्मण समाज के प्रमुख सदस्यों की बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान चल समारोह में जिलेभर से 20,000 ब्राह्मणों के उपस्थित करने का लक्ष्य रखा गया चल समारोह के दौरान संतजन और समाज के ग्वालियर चंबल संभाग के सभी जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहेंगे। बैठक के दौरान सैकड़ों विप्र बंधु मौजूद रहे। ब्राह्मण समाज के सदस्यों ने जानकारी देते हुए बताया कि 03 मई को अंबाह में निकलने वाली भव्य शोभायात्रा में भगवान परशुराम की भव्य झांकी साथ रहेगी। एसआरएम गार्डन मुरैना तिराहे से शुरू होकर शोभायात्रा नगर का भ्रमण करने के बाद वापस एसआरएम गार्डन में पहुंचेगी। जगह-जगह शोभायात्रा का पुष्प वर्षा और आरती उतार कर स्वागत किया जाएगा।

भारतीय जैन मिलन का क्षेत्रीय अधिवेशन सिद्ध क्षेत्र सोनागिर में सम्पन्न

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। दो दिवसीय भारतीय जैन मिलन का 38वाँ वार्षिक अधिवेशन सिद्ध क्षेत्र सोनागिरी जी में सम्पन्न हुआ, जिसमें देश भर से क्षेत्र क्र. 02 की 127 शाखों ने शिरकत की। दो दिवसीय कार्यक्रम में गेम्स लकी ड्रॉ सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं अवार्ड सेरेमनी का कार्यक्रम रखा गया। इस अवसर पर वर्ष भर में किए गए शाखों के द्वारा कार्यों को यहां पुरस्कृत किया जाता है। इस कार्यक्रम में भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय पदाधिकारी के साथ-साथ विभिन्न स्थानों से शाखा अध्यक्ष, मंत्री, सदस्यगण एवं क्षेत्र के अन्य अधिकारी एवं सदस्यगण शामिल हुए। कार्यक्रम में जैन मिलन महिला राजुल मुरैना को महिला वर्ग में सर्वश्रेष्ठ शाखा, जैन मिलन बालिका मुरैना को बालिका वर्ग में सर्वश्रेष्ठ शाखा का अवार्ड, सुनीता जैन को अध्यक्ष एवं आशिमा जैन को मंत्री श्रेष्ठ कामों के लिए अवार्ड दिया गया। साथ ही क्षेत्रीय उपाध्यक्ष वीर शिल्पी जैन को उनके सहयोग एवं कार्यों के लिए अवार्ड दिया गया। साथ ही संस्कृत

कार्यक्रमों के तहत मुरैना की बालिकाओं ने अपनी प्रस्तुति वहां दीं। बालिका वर्ग में बालिका मुरैना के अध्यक्ष दीक्षा एवं मंत्री साक्षी जैन तथा उनके सहयोगी सदस्य द्वारा बनाई गई रिपोर्ट फाइल को जैन मिलन महिला राजुल की फाइल को विशेष पुरस्कार दिया गया। महिला राजुल मुरैना को उनके हाइजीन के ऊपर चलाए जा रहे कार्यक्रम के लिए विशेष सम्मानित किया गया। पुरुषों में वीर नवनीत जैन, वीरेंद्र जैन एवं मनीष जैन को सम्मानित किया गया। क्षेत्रीय अधिवेशन के अंतर्गत राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय कार्यकारिणी सदस्यों ने कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अतिवीर विजय जैन एवं राष्ट्रीय मंत्री अतिवीर अजय राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वीरांगना शीला जैन, राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री अतिवीर राजेश जैन, राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष अतिरिक्त महेंद्र जैन, क्षेत्रीय अध्यक्ष वीरांगना अनीता जैन, क्षेत्रीय मंत्री अतिवीर महेंद्र जैन, अतिवीरा रेनू जैन सभी ने मुरैना शाखा को बधाई दी। इस कार्यक्रम मे मुरैना की महिला, बालिका, पुरुष शाखाओं ने शिरकत की।

पायोनियर चिल्ड्रंस एकेडमी करेगी विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। हर वर्ष की भांति शिक्षा को लेकर बच्चों और युवाओं में शिक्षा की क्रांति जागृत करने हेतु समाजसेवी पायोनीयर चिल्ड्रंस एकेडमी ग्रुप द्वारा विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित कर उनको शिक्षा के अधिकार का स्मरण कराता रहा है। इस वर्ष भी पुनः पायोनीयर चिल्ड्रंस एकेडमी ग्रुप द्वारा विद्यार्थियों का बेस मजबूत करने के लिए जिला स्तरीय लक्ष्य ज्ञान प्रतियोगिता का महाआयोजन बिल्कुल निःशुल्क किया जा रहा है, जिसमें कक्षा 1 से 5वीं तक, 6वीं से 8वीं तक, 9वीं से 12वीं तक एवं ऑल कंपटीशन तक सेशन वाइज सभी विद्यार्थी बिल्कुल फ्री में पार्टिसिपेट करें। विद्यार्थियों को तैयारी के लिए चार से पांच माह का समय देते हुए जिनकी सेशन वाइज परीक्षाएं सितंबर में विभिन्न तारीखों 7,14, 21, 28 को कराई जाएंगी एवं पुरस्कार सम्मान समारोह 12 अक्टूबर को रखा गया है, जिसमें विद्यार्थियों को पुरस्कृत प्रशासनिक अधिकारियों एवं स्कूल, कोचिंग संचालक व पत्रकार साथियों द्वारा किया जाएगा। इस प्रतियोगिता के सेशन वाइज सभी परीक्षाओं में बेसिक ऑब्जेक्टि व टाइप हिंदी, अंग्रेजी, जीके, कंप्यूटर, गणित, रीजनिंग व स्पीकिंग के बेसिक प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनमें सेशन वाइज टॉप करने वाले विद्यार्थिर्थियों को स्कूल बैग, स्मार्ट वॉच, सिंपल फोन एवं साइकिल जैसे पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा। साथ ही सेशन वाइज अन्य टॉप 20 विद्यार्थियों को सांत्वना पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा। 30 मई को हिंदी पत्रकारिता दिवस के शुभ अवसर पर वि शेष रूप से पत्रकार सम्मान समारोह रखा गया है। जिसमें पत्रकारों के सम्मान स्वरूप एक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें पार्टिसिपेट करने वाले विद्यार्थियों को विशेष पुरस्कारों से पत्रकारों द्वारा ही सम्मानित किया जाएगा।

पति की लंबी उम्र के लिए महिलाओं ने रखा गणगौर का व्रत

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/जौरा। सोमवार को गणगौर का त्यौहार होने से महिलाओं ने अपने पति की लंबी उम्र के लिए गणगौर मैया की पूजा अर्चना कर व्रत रखा गया। 31 मार्च को सुहागन महिलाओं द्वारा गणगौर व्रत को लेकर परंपरा के अनुसार घरों में देसी घी से पकवान बनाकर तैयार किया गया। गुना भी बनाए। पूजा के लिए 16 गुना बनाए गए। कथा के दौरान थाली में सजाकर शिव-पार्वती की प्रतिमा के समक्ष बनाए गए पकवान भी रखे गए। सुहागन महिलाओं द्वारा व्रत रखकर 16 श्रृंगार कर भक्ति भाव के साथ कथा सुनी गई। चैत्र मास की शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि के दिन इस गणगौर के त्यौहार को सुहागन महिलाएं अपने पति की दीर्घायु के लिए मिट्टी से शिव-पार्वती की कृपा बनाकर पूरे विधि विधान से व्रत रखती हैं। इस व्रत में सुहागन महिलाएं दिनभर बिना पानी की ही रहती हैं। शाम को कथा स्थल पर सामूहिक रूप से एकत्रित होकर पानी पीकर अपना व्रत खोलती हैं। पूजा करने के बाद महिलाओं द्वारा मिट्टी से तैयार की गई शिव-पार्वती की प्रतिमा को पानी में विसर्जित किया जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार गणगौर व्रत की शुरुआत माता पार्वती ने अपने पति के रूप में भगवान शिव को पाने के लिए कठोर तपस्या की। भगवान शिव ने माता पार्वती को दर्शन दिए और उनसे प्रदान करने के लिए कहा। तब माता पार्वती ने भगवान शिव को ही अपने वर के रूप में मांग लिया और भगवान शिव ने पार्वती को मांगा गया वरदान भी प्रदान कर दिया। इसके बाद पार्वती एवं भगवान शिव का विवाह हो गया, तभी से सुहागन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र निरोगी काया के लिए इस व्रत को विधि विधान के साथ गणगौर के दिन करती हैं।

विहिप व बजरंग दल ने किया कार्यक्रम का आयोजन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल द्वारा पूरे देश भर में 30 मार्च से 12 अप्रैल तक श्रीराम जन्मोत्सव के कार्यक्रम मनाना तय किया गया है। उसी कड़ी में 31 मार्च को मुरैना नगर के महावीरपुरा में श्रीराम जन्मोत्सव का कार्यक्रम मनाया गया, जिसमें अशोक श्रीवास्तव प्रदेश सचिव अखिल भारतीय कायस्थ महासभा मुख्य अतिथि एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता दिनेश किशोर भटनागर एडवोकेट अध्यक्ष चित्रगुप्त समाज मुरैना की एवं चंद्रप्रकाश श्रीवास्तव उपाध्यक्ष विश्वहिंदू परिषद मुरैना एवं धर्मेन्द्र शर्मा जिला मंत्री विश्वहिंदू परिषद मुरैना मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने भगवान श्रीराम जी के जीवन चरित्र एवं वर्तमान में दशा और दिशा पर वक्तव्य दिया। साथ ही लगभग आधा सैकड़ा जनमानस उपस्थित रहे।

बानमोर तालाब की सफाई की

मुरैना। जल संसाधन विभाग मुरैना द्वारा सोमवार को बानमोर तालाब पर जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत सफाई का कार्य जन भागीदारी/जन सहयोग से किया गया। कार्यक्रम में जल संसाधन संभाग के कार्यपालन यंत्री पीएस जाटव, पार्षद श्रीमती गीता लक्ष्मण सिंह, पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका बानमोर भगवान सिंह, गणमान्य नागरिकों तथा विभागीय कर्मचारियों ने उपस्थित होकर श्रमदान किया।कार्यक्रम में कार्यपालन यंत्री जल संसाधन पी.एस. जाटव द्वारा नागरिकों को जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल की महत्वता एवं जल स्त्रोतों/संसाधनों के रखरखाव तथा इनके संरक्षण पर जोर देते हुये इस धरोहर को बचाने हेतु जागरूक किया गया।

ईद की नमाज में उमड़ा जनसैलाब, अमन की दुआ मांगी

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/अम्बाह। ईद उल-फितर का त्योहार अंबाह में धूमधाम से मनाया

गया। सुबह से ही ईदगाह और मस्जिदों में रौनक दिखने लगी। हजारों लोग नए कपड़े पहनकर परिवार के साथ नमाज अदा करने पहुंचे। बच्चों और बुजुर्गों में खासा उत्साह रहा। नमाज के बाद लोगों ने गले मिलकर एक-दूसरे को ईद की मुबारकबाद दी। ईदगाह परिसर और मस्जिदों में नमाजियों की भारी भीड़ उमड़ी। नमाज के बाद मस्जिद के इमाम ने अमन-चैन की दुआ मांगी। उन्होंने कहा कि यह त्योहार भाईचारे, प्रेम और सौहार्द का संदेश देता है। समाज में एकता और शांति बनाए रखने की अपील की। नमाज के बाद गरीबों को दान देकर सहायता की गई। प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे। संवेदनशील इलाकों में पुलिस बल तैनात रहा। जगह-जगह चेकिंग अभियान चलाया गया। हर गतिविधि पर नजर रखी गई। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

इस अवसर पर विधायक देवेंद्र सखवार, तहसीलदार सीताराम वर्मा, टीआई सतेंद्र कुशवाह, पूर्व विधायक सत्यप्रकाश सखवार सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। सभी ने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद की बधाई दी। समाज में भाईचारे और एकता का संदेश दिया।

गणगौर की पूजा कर गाए मंगल गीत, मांगा अमर सुहाग

अग्रवाल नारी शक्ति मंडल द्वारा मनाया गया उत्सव

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। अग्रवाल नारी शक्ति मंडल द्वारा सोमवार को गणगौर पूजा के अवसर पर उत्सव का आयोजन किया गया। इस मौके पर पारंपरिक परिधानों में सज-धजकर आईं महिलाओं ने विधि-विधान से गणगौर माता की पूजा-अर्चना की और सदा सुहागन रहने का वरदान मांगा।

गणगौर उत्सव में अग्रवारी नारी शक्ति मंडल की महिलाएं पारंपरिक परिधानों में सज-धजकर पहुंचीं थी। इस मौके पर गणगौर माता की सुंदर झांकी भी सजाई गई थी। जिसने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम में महिलाओं ने पूजा-अर्चना करने के बाद मंगल गीत गाए और गणगौर माता से सदा सुहागन

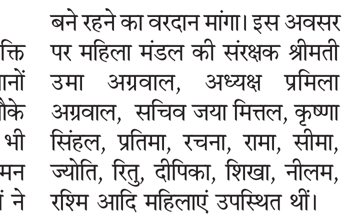

बने रहने का वरदान मांगा। इस अवसर पर महिला मंडल की संरक्षक श्रीमती उमा अग्रवाल, अध्यक्ष प्रमिला अग्रवाल, सचिव जया मित्तल, कृष्णा सिंहल, प्रतिमा, रचना, रामा, सीमा, ज्योति, रितु, दीपिका, शिखा, नीलम, रश्मि आदि महिलाएं उपस्थित थीं।

मेरे बमोरी के आदिवासी भाई टंट्या भील के वंशज को मेरा सलाम: केन्द्रीय मंत्री सिंधिया

होली मिलन समारोह में आदिवासियों के साथ थिरके सिंधिया, पारंपरिक परिधान में ढोल बजाकर खेली फूलों की होली

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

गुना। गुना दौरे पर पहुंचे केंद्रीय मंत्री सिंधिया का एक अनोखा अंदाज देखने को मिला। बमोरी के डिगडोली गांव में सर्व समाज द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह में सिंधिया ने आदिवासियों के साथ उनके पारंपरिक परिधान में नृत्य किया। उन्होंने हाथों में धनुष वाण लेकर फूलों की होली खेली एवं आदिवासियों का पारंपरिक ढोल बजाया। सिंधिया ने कहा कि डिगडोली गांव की यह वही भूमि है, जहां से मैने आदिवासियों के साथ मिलकर उनके पट्टे के लिए जनांदोलन किया शुरू किया था। उन्होंने कहा कि यहां के लोग टंट्या मामा भील के वंशज हैं। इनके बीच आकर मन प्रफुल्लित हो जाता है। मेरे बमोरी के आदिवासी भाइयों के इस अंदाज की पूरे देश में एक अलग पहचान है। इस दौरान सिंधिया ने सभी को गुड़ी पड़वा, ईद और नव संवत्सर की बधाई दी।

आदिवासी हमारे देश की आन, बान और शान: सिंधिया

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिंधिया ने कहा कि जो आदिवासी भगवान बिरसा मुंडा और रानी दुर्गावती जैसी महान विभूतियों के वंशज हों वो हमारे देश की आन, बान और शान हैं। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री की भी यही सोच और विचारधारा है कि हमारे आदिवासी समाज के लोगों का विकास और प्रगति सुनिश्चित हो। वहीं कार्यक्रम के दौरान सिंधिया आदिवासी नृत्य वाला अंदाज लोगों को खूब पसंद आया। उनके नृत्य का वीडियो सोशल मीडिया में भी जमकर वायरल हो रहा है।

ओपन भर्ती में चयनित विद्यार्थियों को दिए जाएंगे नियुक्ति प्रस्ताव पत्र

ग्वालियर। शासकीय कमलाराजे महाविद्यालय में ओपन विशेष भर्ती अभियान रोजगार मेला आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में चयनित विद्यार्थियों को कंपनियों की और से ऑफर लेटर 2 अप्रैल को शासकीय विज्ञान महाविद्यालय में प्रदान किए जाएंगे। शासकीय विज्ञान महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ बीपीएस जादौन एवं मीडिया प्रभारी डॉ सुयश कुमार ने कहा कि अभियान का समापन समारोह 2 अप्रैल को विज्ञान महाविद्यालय के विवेकानंद सभागार में अपराह्न 12.30 से आयोजित किया गया है। विवेकानंद कैरियर प्रकोष्ठ संयोजक डॉ राजश्री मिश्रा ने बताया कि विशेष भर्ती अभियान में विभिन्न महाविद्यालयों के 140 विद्यार्थियों का चयन हुआ है। इन विद्यार्थियों का चयन पुणे स्थित कंपनी डीएमसी फिनिशिंग स्कूल प्राइवेट लिमिटेड ने विभिन्न पदों के लिए किया है।

कृषि मंत्री ऐदल सिंह ने 25 गांव के लिए सौर लाइट का शुभारंभ किया

कार्यक्रम का शुभारंभ बाबा देवपुरी परिसर से हुआ

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री ऐदल सिंह कंसाना ने कहा कि मध्य प्रदेश की ग्राम पंचायत में सड़कों और महत्वपूर्ण स्थानों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था की प्लानिंग की गयी है , जिसमें प्रथम फैंस में 25 पंचायतों को शामिल किया गया है। जिसका शुभारंभ सोमवार को बाबा देवपुरी मंदिर परिसर से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे गाँव की सड़कों और महत्वपूर्ण स्थानों पर पर्याप्त रोशनी की कमी हमारे निवासियों के लिए विभिन्न सुरक्षा चिंताओ का कारण बनी रहती है, खासकर रात के समय अंधेरे के कारण दुर्घटनाएं, चोरी और अन्य आपराधिक गतिविधियां अधिक प्रचलित हो गई हैं। इसके अलावा, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था की अनुपस्थिति हमारे समुदाय के समग्र विकास और प्रगति में बाधा डालती है।

इस लिए सौलर स्ट्रीट लाइट्स और हाई मास्ट सौलर लाइट्स की स्थापना हमारे प्रकाश व्यवस्था की आवस्यकताओं के लिए एक स्थायी और लागत प्रभावी समाधान प्रदान करेगी। ये लाइट्स न केवल हमारे निवासियों की सुरक्षा बढ़ाएंगी बल्कि हमारे गाँव में जीवन की गुणवत्ता भी सुधारेंगी।हम सौलर लाइट्स की स्थापना के लिए उपयुक्त स्थानों की पहचान करके परियोजना का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा की प्रथम फेस में भानपुर, जतावार, मसूदपुर, रिठौरा, पिपरई, गडोरा, पीपरखेड़ा, पचोखरा, नायकपुरा, हेतमपुर, पीपलखेड़ा, मैथाना, हुसैनपुर, जाखोना, पढ़ावली, तिछोला, विडवा कुंवारी, मृग पुरा, देवरी, हड़वासी, बांध, सिकरौदा, गौसपुर, सांटा, हिंगोना कला, पालपुर और कैथरी में सोलर लाइट लगाई जायेगी। यह कार्यक्रम सीएसआर प्रोग्राम के तहत कोर्टेवा एग्रीसाइंस सीड्स (पायनियर बीज कम्पनी) द्वारा किया गया। इस अवसर पर कम्पनी के अधिकारी रमेश कैलाशम हैदराबाद, विष्णु अग्रवाल आगरा, सुधांशू वर्मा इंदौर, माधौ सिंह तोमर मुरैना, कमल सिंह, अरविंद सिंह बैसला, बालकृष्ण सांटा, बृजकिशोर डंडौतिया, कप्तान सिंह कंषाना बंकू, जौरा जपं अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह सिकरवार, किशोर शर्मा, वृंदावन पाराशर, दिलीप डण्डौतिया, हुब्बलाल सरपंच, रामनरेश सरपंच, हरेन्द्र सरपंच, मनोज सरपंच, दिलीप सरपंच नायकपुरा, द्वारिका कंषाना, बाबा देवपुरी जनसेवा संस्थान के सचिव राजवीर सिंह, देवेन्द्र सिंह गड़ौरा, दाताराम सिंह, गब्बर सिंह, जबर सिंह, सुरेन्द्र, निरंजन सिंह, राजवीर, त्रिलोकी, राज कंषाना, महेश पहलवान, जीतू तोरखेड़ा, हरीराम, लोकेन्द्र पाराशर, अनूप अग्रवाल, रजत मोदी, जीतेन्द्र मैथाना, राजू भानपुर, आकाश रजक, रामलखन जींगनी, वासुदेव मसूदपुर आदि मौजूद थे।

सामूहिक परिवार बिखरने से रिश्ते टूट रहे हैं: ऐरन

ग्वालियर। अखिल भारतीय अग्रवाल परिचय सम्मेलन द्वारा 123वां युवक युवती परिचय सम्मेलन श्योपुर की अग्रवाल धर्मशाला में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान अग्रसेन की पूजा अर्चना कर किया गया। कार्यक्रम में अग्रवाल परिचय पत्रिका का विमोचन भी किया गया। पत्रिका के माध्यम से सभागार में उपस्थित 300 परिवारों ने अपने बच्चों के रिश्ते की बात एक-दूसरे से की।

सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश ऐरन ने कहा कि आज समाज के सामने बच्चों के रिश्ते को मजबूत बनाये रखने की चुनौती है। वर्तमान में ज्यादातर लोग एकल परिवार के रूप में रह रहे हैं, जिसकी वजह सामूहिक चर्चा और बातचीत का पारिवारिक माहौल समाप्त होता जा रहा है। हमे रिश्तों को मजबूत बनाये रखने के लिए गंभीरतापूर्वक विचार करना होगा। कार्यक्रम को मुकेश सिंघल राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, नरेश जिन्दल राष्ट्रीय सह सचिव, अमरनाथ गोयल प्रदेश उपाध्यक्ष ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम में अनिल अग्रवाल राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, अनिल गर्ग प्रदेश उपाध्यक्ष, विजय गोयल उपाध्यक्ष सहित श्योपुर अग्रवाल समाज के अध्यक्ष मनोज गुप्ता, केके गर्ग सचिव, दीपक मित्तल उपाध्यक्ष, शम्भूदयाल गोयल, भगवती मंगल, मुकेश गोयल, डाक्टर विष्णु कुमार गर्ग, राजीव गर्ग, किशन सिंघल, महेश सिंघल, कमलेश अग्रवाल, पवन गर्ग, मनोज गोयल, नरेश गर्ग, कुशल गोयल, उमेश मंगल, अमित मंगल, मदनमोहन गर्ग, जगदीश गर्ग, दिनेश बंसल, उद्धव गर्ग, दिनेश गोयल उपस्थित थे। सम्मेलन में मध्यप्रदेश के साथ साथ राजस्थान के जयपुर, कोटा, बारां, अलवर के अग्रबंधुओं ने बच्चों के रिश्ते तलाश किये। इस अवसर पर हर्षिता सिंघल, सुरूती गुप्ता, अन्नु गर्ग, भूमि गोयल सहित 11 महिलाओं को सामाजिक सेवा कार्य के लिए सम्मानित किया गया।

स्वामित्वधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे के लिए मै. अंजली पब्लिकेशन एबी रोड़ मथुरा से मुद्रित, एवं ए-44-फस्ट फ्लोर, अशोका इन्क्लेव, पार्ट-2 सेक्टर- 37 फरीदाबाद हरियाणा (NCR) से प्रकाशित, आरएनआई नं. एचएआरएचआईएन /2009/ 28496 संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे। मो. 9958434103 सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा।